INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-93 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 30 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

हैंडपंप खराबी के नाम पर बजट डकारते रहे प्रधान

पांच हजार खराब हैंडपंपों ने खोली व्यवस्था की पोल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले की गांव सरकार में पांच साल तक सत्ता पर काबिज प्रधान पानी को खूब पतला करते रहे। 495 ग्राम पंचायतों में पांच साल के दौरान काफी धन खर्च किया। खराब हैंडपंप प्रधानों को मोटी कमाई का जरिया भी बनते रहे। आज भी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में करीब पांच हजार हैंडपंप खराब पड़े हुए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मांट ब्लाक में और सबसे कम नंदगांव ब्लाक में हैं।

पांच साल तक जिले की ग्राम पंचायतों में हैंडपंप रिबोर के नाम पर दिल खोलकर बजट खर्च किया गया, लेकिन इतने साल के बाद भी स्थिति जस की तस बनी रहती है। रिबोर के नाम पर जिले में कई करोड़ की भारी भरकम धनराशि खर्च करने के बावजूद ग्रामीणों को हैंडपंपों से पानी नहीं मिल सका। प्रधानी पर बैठे लोग पांच साल इन खराब हैंडपंपों से जमकर पानी को चूसने में जुटे रहे और खराबी सही कराने के नाम पर जेब भरते रहे। यह बात अलग ?है कि ग्रामीणों को पानी के लिए खराब हैंडपंपों को सही होने का इंतजार पूरे पांच साल तक बना रहा।

फरह ब्लाक की 55 ग्राम पंचायतों

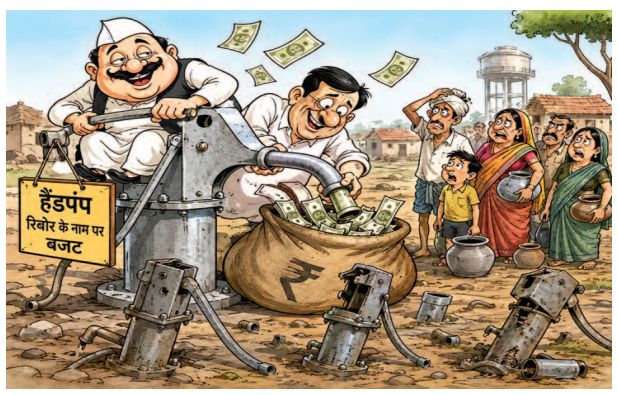

में 1566 हैंडपंप लगे हुए हैं, जिनमें से 66 रिबोर की लाइन में हैं, जबकि 152 अस्थाई रुप से खराब हैं। कुछ ऐसा ही हाल राया ब्लाक का है, यहां 2990 हैंडपंपों में से 140 रिबोर के नाम पर खराब हो चुके हैं, जबकि 346 अस्थाई रुप से खराब पड़े हुए हैं। सबसे ज्यादा रिबोर के नाम पर 149 हैंडपंप मांट ब्लाक में खराब हैं, जबकि बल्देव ब्लाक में 281 स्थाई खराब हो चुके हैं। वैसे, जिले की सभी 10 ब्लाक में करीब 22810 हैंडपंप स्थापित हैं, जिनमें से 1155 खराब हो गए है, जो रिबोर होने हैं। इसके अलावा 3789 हैंडपंप अस्थाई खराब पड़े हुए हैं। विभाग का दावा है कि इस साल 15 अप्रैल तक 450 हैंडपंप रिबोर कराए गए, जबकि 2231 अस्थाई हैंडपंप सही कराए गए हैं। वहीं, जानकारों का कहना है ऐसे खराब हैंडपंपों को सही कराने के नाम पर पांच साल के दौरान प्रधान और सचिवों ने मोटी कमाई की है। एक रिबोर हैंडपंप को सही कराने के नाम पर ही 50 हजार से 80 हजार रुपये खर्च किए गए, जबकि छोटी खराबी के नाम पर पांच से 10 हजार रुपये ठिकाने लगाए गए। जिले का पूरा डाटा निकालकर जोड़ा जाए तो यह रकम कई करोड़ मे बनती हैं। जानकारों का कहना है कि पानी के नाम पर प्रधान और सचिवों ने हैंडपंपों पर काफी मेहनत की। ग्राम पंचायतों में हैंडपंप सही करने वाले मिस्त्री रोशन कहते हैं कि कई गांवों में रिबोर की तो बात छोड़िए, हैंडपंप का आधा भाग ऊपर से गायब है। आखिर यह रुपए कहां खर्च किए गए हैं, इसकी जांच होनी चाहिए।

जिला पंचायत राज अधिकारी धनजंय जायसवाल का कहना है कि हैंडपंप के नाम पर गोलमाल की कोई शिकायत नहीं मिली है, आती है तो जांच कराई जाएगी। वैसे उन्होंने सभी हैंडपंपों को तत्काल सही कराने को कहा है, जिससे ग्रामीणों को पीने को पानी मिल सके।

रिबोर पर करोड़ों खर्च फिर भी पानी को तरसे ग्रामीण

495 ग्राम पंचायतों में अब भी खराब पड़े हुए पांच हजार हैंडपंप

सबसे ज्यादा मांट में तो सबसे कम खराब हैं नंदगांव ब्लाक क्षेत्र में

वंशीवट पर श्रीकृष्ण के स्वरूप में नजर आए तेज प्रताप यादव

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हे वृंदावन के वंशीवट पर भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में नजर आ रहे हैं। बांसुरी बजाते हुए उनका यह अंदाज चर्चा का विषय बन गया है।

वायरल वीडियो में तेज प्रताप यादव पारंपरिक वेशभूषा में, हाथ में बांसुरी लिए दिख रहे हैं। वे गोपियों के बीच खड़े होकर बांसुरी बजाते नजर आ रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे धार्मिक कथाओं में भगवान श्रीकृष्ण का वर्णन मिलता है। यह दृश्य वृंदावन के प्रसिद्ध वंशीवट का है, जिसे कृष्ण लीला से जुड़ा पवित्र स्थल माना जाता है।

तेज प्रताप यादव ने इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्स (ट्विटर) पर वंशीवट का धार्मिक महत्व भी बताया। उन्होंने लिखा कि वृंदावन का वंशीवट वह दिव्य स्थान माना जाता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण अपनी मधुर बांसुरी बजाते थे और उनकी धुन सुनकर गोपियां उनकी ओर खिंची चली आती थीं। उन्होंने आगे कहा कि यह स्थान प्रेम, भक्ति और दिव्य आनंद का प्रतीक है, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है।

बांसुरी बजाते वीडियो ने बटोरीं सुर्खियां

गोपियों संग दिखे तेज प्रताप यादव

कृष्ण स्वरूप ने खींचा सबका ध्यान

मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार अगले माह, कई मंत्रियों की होगी छुट्टी

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के पहले बड़े कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की तैयारी में जुटी बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार जून के मध्य में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इसे आगामी विधानसभा चुनावों और राजनीतिक संतुलन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, इस फेरबदल में करीब 12 मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। सरकार मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा कर रही है और जिन मंत्रालयों में अपेक्षित गति नहीं दिखी, वहां नए चेहरों को जिम्मेदारी मिल सकती है। साथ ही कुछ वरिष्ठ नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका देने की भी चर्चा है। माना जा रहा है कि इस बार युवा और ऊर्जावान नेताओं को अवसर देकर सरकार नई राजनीतिक और प्रशासनिक रणनीति पर आगे बढ़ सकती है।

आरबीआई की तैयारी, पायलट प्रोजेक्ट का इंतजार

देश के लोगों को जल्द मिलेगा पहला प्लास्टिक नोट

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मुम्बई। भारत को जल्द ही पहला प्लास्टिक नोट मिल सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक बार फिर से अपने इस साल पुराने विचार पर आगे बढ़ने जा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक बहुत बड़ा बदलाव होगा।

मौजूदा समय में आरबीआई की तरफ से कागज के नोट प्रिंट किए जाते हैं। यह एक खास प्रकार का पेपर होता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पिछली दो बोर्ड मीटिंग के दौरान प्लास्टिक नोट लाने की चर्चा हुई। यह दोनों मीटिंग पटना और मुंबई में हुई हैं।

इससे पहले 2012 में तत्कालीन सरकार ने पांच शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्लास्टिक नोट लाने की तैयारी में थी, लेकिन तब कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण इस कोशिश को रोकना पड़ा था।

अब एक बार फिर प्लास्टिक के नोट लाने की चर्चा हो रही है। इसके पीछे दो बड़े कारण हो सकते हैं। पहला लागत से जुड़ा हुआ है। दूसरा बड़ा कारण लंबे समय तक के लिए उपयोग में रहे। रिपोर्ट के अनुसार, जल्द ही आरबीआई की तरफ से प्लास्टिक बैंक नोट के पायलट प्रोजेक्ट का एलान हो सकता है। पालीमर नोट लाने के पीछे की बड़ी वजह शेल लाइफ भी है। मौजूदा समय में कागज से बने नोट की शेल लाइफ काफी कम होती है। हर वर्ष लाखों की संख्या में नोट खराब हो रहे हैं, जिन्हें चलन से बाहर कर दिया जाता है। इन नोटों के बदल नए नोट छापे जाते हैं जिसकी लागत लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में आरबीआई का करेंसी नोट छापने वाले खर्च 6,372.8 करोड़ रुपये था, जो 2023–24 में 5,101.4 करोड़ था। इसका मुख्य कारण नोटों की मांग में बढ़ोतरी होना था। इसी तरह, 2024–25 में 23.8 अरब खराब नोट चलन से हटाए गए, जिनकी संख्या 2023–24 में 21.24 अरब थी। हालांकि, बीते वित्त वर्ष 2025–26 में नोटों को छापने की लागत घटकर 4,875 करोड़ रुपये रह गई है। इसी तरह, चलन से हटाए गए खराब नोट की संख्या भी घटकर 17.20 अरब रही है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब आरबीआई पालिमर नोट लाने पर विचार कर रहा है। इससे पहले वर्ष 2012 में तत्कालीन सरकार ने पांच शहरों में 10 रुपये के एक अरब पालिमर नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दी थी। इन शहरों में कोच्चि, मैसूर, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला शामिल थे। हालांकि, तकनीकी और परिचालन संबंधी दिक्कतों के चलते इस ट्रायल को रोक दिया गया था। अब इन दिक्कतों को दूर कर लिया गया है। इस समय दुनिया के करीब 60 देश प्लास्टिक बैंक नोट का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया 1998 में प्लास्टिक नोट शुरू करने वाला दुनिया का पहला देश बना। इसके बाद कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, रोमानिया, न्यूजीलैंड और वियतनाम ने भी अपनी मुद्रा में प्लास्टिक नोट शामिल किए।

कम लागत और ज्यादा टिकाऊ होंगे नए नोट

चार दिन की बिजली कटौती पर फूटा लोगों का गुस्सा

यूनिक समय, मथुरा। खराब ट्रांसफार्मर को चार दिन बाद भी नहीं बदलने से लोग गुस्सा हो गए। बिजली अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए रोड जाम कर दिया तो वाहनों की लाइन लग गई। बिजली नहीं मिलने से नाराज लोगों ने अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सीओ सिटी के समझाने के बाद लोग माने।

चार दिन से बाधित बिजली आपूर्ति को लेकर शुक्रवार रात स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। बीएसए कॉलेज रोड स्थित आनंदपुरी, नवनीत नगर, प्रोफेसर कॉलोनी और आसपास की कॉलोनियों के लोगों ने सड़क जाम कर बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

रात करीब 10 बजे अचानक शुरू हुए प्रदर्शन की वजह से सड़क पर वाहनों की लंबी लाइन लग गईं और यातायात प्रभावित हो गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप

सड़क जाम कर किया जोरदार प्रदर्शन

अधिकारियों पर अनदेखी के लगे आरोप

तेज आंधी–तूफान में कंपनी की टीन शेड उड़ी

था कि क्षेत्र का ट्रांसफार्मर चार दिन पहले खराब हो गया था, शिकायत कई बार विभागीय अधिकारियों से की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली बाधित होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, जिससे कई परिवारों को पानी की कमी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को फोन करने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। प्रदर्शन में शामिल नागरिकों ने बताया कि लगातार बिजली कटौती के

38 घंटे बाद मिली सप्लाई

यूनिक समय, मथुरा। राधापुरम् सब स्टेशन से बिजली सप्लाई ठप होने से करीब 10 हजार की आबादी प्रभावित हो गई। करीब 36 घंटे बाद सप्लाई आने के बाद लोगों को चैन मिल सका। लोगों ने बताया कि सब स्टेशन की खराबी की वजह से अशोका सिटी, राधा पुरम, अशोका एक्सटेंशन, विश्व लक्ष्मी नगर, विश्व लक्ष्मी एक्सटेंशन समेत कई क्षेत्रों की बिजली सप्लाई गुल हो गई। आज सुबह करीब 36 घंटे बाद सप्लाई मिल सकी।

श्रीकृष्ण जन्म स्थान क्षेत्र में पिछले कई घंटों से विद्युत संकट

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्म स्थान क्षेत्र में पिछले कई घंटों से विद्युत संकट चल रहा है। हैरानी की बात तो यह है कोई विद्युत अधिकारी संकट से लोगों को उबारने के लिए जहमत नहीं उठा रहा है। श्रीकृष्ण जन्म स्थान क्षेत्र के व्यापारियों का कहना है कि पिछले 24 घंटे के अधिक समय से इस संवेदनशील इलाके में विद्युत संकट व्याप्त है। इसकी चपेट में व्यापारिक प्रतिष्ठान आ गए हैं। गेस्ट हाउस और होटलों में आकर रूकने वाले लोग विद्युत संकट के कारण गर्मी के कारण परेशान नजर आ रहे हैं। वह होटल और गेस्ट हाउसों के कमरे में रूक नहीं पा रहे हैं। होटल और गेस्ट हाउस

होटल और गेस्ट हाउस में आने वाले लोग परेशान

संचालकों का कहना है कि शिकायत करते थक गए, लेकिन कोई अधिकारी संकट का समाधान निकालने के लिए तैयार नजर नहीं आ रहा है। मालिकों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा विद्युत आपूर्ति को लेकर गंभीर नजर आते हैं, पर यहां उत्पन्न संकट को देखकर लग रहा है कि अधिकारी गंभीर नहीं है। इसलिए तो कई घंटे बीतने के बाद श्रीकृष्ण जन्म स्थान जैसे संवेदनशील इलाके में विद्युत संकट का समाधान नहीं हो पा रहा है।

कारण छोटे बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे अधिक परेशान हैं। घरों में अंधेरा और पानी की कमी से दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है।

सड़क जाम की सूचना पर पुलिस पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा और कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में आए तेज आंधी–तूफान से बिजली लाइनें और खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं, मरम्मत का कार्य जारी है। जल्द बिजली आपूर्ति बहाल होगी।

छाता। क्षेत्र में आए अचानक तेज आंधी–तूफान और चक्रवात ने भारी तबाही मचाई है। छाता स्थित महावीर ट्रांसमिशन लिमिटेड कंपनी में तूफान के कारण कारखाने की टीन शेड की छत पूरी तरह से उखड़ गई, जिससे कंपनी को भारी नुकसान होने का अनुमान है। आंधी शुरू होने से ठीक पहले ही सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थानों और शेल्टरों में एक जगह एकत्र कर लिया गया था।

अधिकमास में गोवर्धन की बिजली व्यवस्था चरमराई

बिजली नहीं होने से अंधेरे में बैठे परिक्रमार्थी।

यूनिक समय, गोवर्धन। अधिकमास में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच गोवर्धन की बिजली व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। मुड़िया मेला शुरू होने में कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन कस्बा और परिक्रमा मार्ग पर 10 से 15 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। इससे स्थानीय लोगों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

परिक्रमा मार्ग पर अंधेरा छाया हुआ है। गिरिराज परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को मोबाइल की टॉर्च के सहारे रास्ता तय करना पड़ रहा है। दानघाटी, आन्यौर और राधाकुंड मार्ग पर कई स्थानों की स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय आवागमन में कठिनाई हो रही है। अधिकमास के कारण श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ गई है। होटल, धर्मशाला और आश्रमों में बिजली कटौती के चलते एसी, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। पानी की मोटरें नहीं चलने से जलापूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

बिजली विभाग का कहना है कि बढ़े हुए लोड के कारण ट्रांसफार्मर बार–बार फुंक रहे हैं, ओवरलोडिंग

मुड़िया मेले से पहले बढ़ने लगी चिंता

श्रद्धालुओं को उठानी पड़ रही है परेशानी

की वजह से ट्रिपिंग की समस्या सामने आ रही है। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की तैयारियां केवल कागजों तक सीमित हैं।

मुड़िया पूर्णिमा मेले में हर वर्ष लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचते हैं। ऐसे में मेला शुरू होने से पहले ही बिजली व्यवस्था की खराब स्थिति प्रशासन और विभागीय तैयारियों पर सवाल खड़े कर रही है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है, इन्वर्टर भी जवाब दे चुके हैं। एसडीओ ने बताया कि मुड़िया मेले को देखते हुए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। फॉल्ट ठीक करने वाली टीमें 24 घंटे अलर्ट पर हैं। उन्होंने कहा कि अधिकमास में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से यह समस्या उत्पन्न हुई है। अगले दो दिन में बिजली व्यवस्था में काफी सुधार होगा।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,56,200
22 कैरेट 1,46,000
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,80,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर मिला मांस

हिंदूवादियों में आक्रोश जांच में जुटी पुलिस

मांस मिलने की जानकारी के बाद मौके पर मौजूद गो भक्त बबंडर बाबा और पुलिसकर्मी।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद खुली बात

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र की बांके बिहारी पुलिस चौकी अंतर्गत किशोर पुरा में सरदार गेस्ट हाउस के पास शिव मंदिर के सामने मांस के टुकड़े मिलने से हिंदूवादियों में भारी आक्रोश है। बांके बिहारी मंदिर के मुख्य मार्ग पर हुई इस घटना से लोगों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।

घटना की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और गो भक्त बबंडर बाबा मौके पर पहुंचे,दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों ने मंदिर के पास अस्थायी डलाव घर होने पर भी आपत्ति जताई है। सूचना पर पहुंचे हिंदूवादी संगठनों ने इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने की साजिश बताते हुए विरोध जताया। शनिवार को मामले से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। संगठनों ने संदिग्ध व्यक्ति की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ससुराली जनों पर मारपीट,नकदी–जेवर ले जाने का आरोप

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र की ऑफीसर कॉलोनी निवासी एक युवक ने अपने सुसराल जनों पर घर में घुसकर मारपीट करने, जान से मारने का प्रयास करने और नकदी और जेवरात ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ऑफीसर कॉलोनी निवासी धर्मवीर पुत्र स्व. पीतम के अनुसार 27 मई को उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद पत्नी ने अपने मायके फोन कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे उसके परिजन उसके घर पहुंचे। आरोप है कि सभी लोगों ने उसके साथ लात–घूंसों और पंच से मारपीट की, गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। धर्मवीर का कहना है कि आरोपी उसकी पत्नी और तीन बच्चों को भी अपने साथ ले गए। घर में रखे 20 हजार रुपये नकद, सोने–चांदी के आभूषण और कपड़े ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। मारपीट में घायल युवक ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डीएम कार्यालय पर आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

डीएम कार्यालय पर नारेबाजी करतीं आशा कार्यकर्ता।

मानदेय नहीं मिलने पर जताया गुस्सा, नारेबाजी

अधिकारियों पर लगाया मनमानी का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को आशा कार्यकर्ताओं ने मानदेय नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की।अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए मानदेय नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी। डीएम को ज्ञापन देने आईं आशा कार्यकर्ताओं का कहना था कि जाते हैं, इसमें उनकी क्या गलती है। डीएम को सच्चाई का पता लगवाना चाहिए। कई कार्यकर्ताओं का कहना था कि लंबे समय से मानदेय लंबित होने से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने नियमित भुगतान की मांग उठाते हुए लंबित मानदेय का भुगतान, बढ़े हुए मानदेय को लागू करना, प्रोत्साहन राशि का समय पर भुगतान और न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा, सुविधाएं देने की मांग रखी। इस मौके पर काफी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद थीं।

महिला से मारपीट का आरोप

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के निकासा स्थित सरकारी आवास में रहने वाली एक महिला ने दो युवकों पर अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। सरकारी आवास निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार रात दो युवक उसके साथ हंसी–मजाक कर रहे थे। विरोध करने पर दोनों ने गाली–गलौज शुरू कर दी और हाथापाई करते हुए जमीन पर गिराकर मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच–बचाव कराया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद वह किसी तरह घर पहुंची और पुलिस में शिकायत करने की बात कही, जिस पर आरोपियों ने उसे थाने आने से रोक दिया। शुक्रवार की सुबह पीड़िता थाना पहुंची और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आंधी ने उजाड़ दीं खुशियां

शादी से पहले युवती की मौत

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार देर आई तेज आंधी और वर्षा ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। दौरान दीवार गिरने से एक युवती की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की अगले महीने शादी होनी थी, घर में इसके लिए तैयारी भी चल रहीं थीं। पोस्टमार्टम के बाद भाई ने मृतका का अंतिम संस्कार किया। हादसे से गांव में शोक का माहौल है।

यह हादसा थाना मगोर्रा क्षेत्र के गांव बछगांव में हुआ। गांव निवासी अमर सिंह की बेटी गुंजन (18) शुक्रवार देर रात करीब नौ बजे नोहरे में पशुओं को दलिया खिलाकर घर लौट थी। तभी आंधी के साथ हुई

अगले महीने थी शादी परिजनों में कोहराम

पोस्टमार्टम के बाद भाई ने दी मुखाग्नि

बारिश की वजह से गिरी दीवार के मलवे में दब गई। परिजनों ने ग्रामीणों की युवती को निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। गुंजन की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के शव को उसके भाई सुखवीर ने मुखाग्नि दी।

परिजनों ने बताया के मृतका गुंजन की शादी आगरा की किरावली तहसील के गांव मलिकपुर निवासी लवकुश से तय हुई थी। 28 जून को होने वाली शादी के लिए घर में तैयरियां चल रही थी। हादसे के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। तहसीलदार ब्रजेश कुमार सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम और लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर आपदा प्रबंधन से चार लाख रुपये की सहायता राशि परिजन को मदद दी जाएगी। सीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बर्षा की वजह से गिरी दीवार के नीचे युवती दब गई, मौके पर ही मौत हो गई।

रजवाहा में मिला अधेड़ का शव, सनसनी

रजवाहा में शव मिलने की जानकारी के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण।

यूनिक समय, बाजना। शनिवार को क्षेत्र के गांव सद्दीकपुर के समीप रजवाहा में शनिवार को 46 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सद्दीकपुर निवासी 46 वर्षीय सुभाष उर्फ सूखा पुत्र अर्जेट सिंह के रूप में हुई है। जानकारी पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू कर दी है।

सुभाष का फाइल फोटो।

परिजनों के अनुसार, सुभाष कल शाम से ही घर से लापता थे। रात भर उनकी तलाश की गई, लेकिन वे कहीं नहीं मिले।

आज सुबह उनका शव गांव के रजवाहा में पड़ा मिला। शव मिलने से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी जगदंबा सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम भी जांच में जुटी है शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

टाइपिंग टेस्ट की घंटी से कर्मचारियों में मची हलचल

फेल हुए तो घट सकता है पद

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए रतन कीर्ति ने परिषदीय कनिष्ठ सहायकों और लिपिकीय कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कंप्यूटर संचालन और हिंदी–अंग्रेजी टाइपिंग में सुधार करने को कहा हैं। बीएसए ने साफ कहा है कि एक माह बाद टाइपिंग टेस्ट कराया जाएगा। जो कर्मचारी तय मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर उन्हें वर्तमान पद से नीचे के पद पर भी भेजा जा सकता है।

बीएसए रतन कीर्ति ने आदेश जारी करते हुए बताया है कि शासन के नियमों के अनुसार कनिष्ठ सहायक पद के लिए इंटरमीडिएट, सीसीसी प्रमाणपत्र, हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान अनिवार्य है। नियमों के मुताबिक, हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट और अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से टाइपिंग आनी चाहिए। आदेश में कहा गया है कि आज लगभग पूरा कार्यालयी काम कंप्यूटर और ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से हो रहा है। फाइलों का निस्तारण, पत्राचार, रिपोर्ट तैयार करना और ऑनलाइन कार्य बिना कंप्यूटर ज्ञान के संभव नहीं है। ऐसे में हर लिपिकीय कर्मचारी के लिए कंप्यूटर चलाने और तेजी से टाइपिंग करने की क्षमता जरूरी हो गई है। विभाग के संज्ञान में आया है कि कई कर्मचारी अभी भी निर्धारित स्तर की टाइपिंग दक्षता हासिल नहीं कर सके हैं। इसके कारण कई बार कार्यालयी काम प्रभावित होता है और फाइलों के निस्तारण में देरी होती है।

इसी को देखते हुए विभाग ने कर्मचारियों को अपनी दक्षता सुधारने का एक और मौका दिया है। उन्होंने कहा कि शासन की तरफ से पहले भी 11 फरवरी 2025 को कर्मचारियों को एक माह का समय दिया गया था, लेकिन उस दौरान टाइपिंग परीक्षा नहीं हो सकी। अब दोबारा एक माह की मोहलत देते हुए सभी कर्मचारियों को अपनी तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार एक माह बाद सभी संबंधित कर्मचारियों का टाइपिंग टेस्ट कराया जाएगा। जो कर्मचारी परीक्षा में असफल पाए जाएंगे या निर्धारित मानकों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसमें वर्तमान पद से नीचे के पद पर भेजने जैसी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। इस आदेश के बाद कर्मचारियों में हलचल बढ़ गई है।

बीएसए ने कर्मचारियों को दी एक माह की मोहलत

कंप्यूटर और हिंदी–अंग्रेजी टाइपिंग सुधारने का आखिरी मौका

परीक्षा में मानक पूरे नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई

एसपी ग्रामीण ने किया नौहझील थाने का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान निर्देश देते एसपी ग्रामीण सुरेश चंद रावत।

यूनिक समय, सुरीर। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने कानून–व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए रात्रि में थाना नौहझील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने में तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

एसपी ग्रामीण ने संतरी ड्यूटी, जीडी मुंशी और नाइट ऑफिसर की सक्रियता की जांच की। थाने के अभिलेखों के रखरखाव, ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों की सतर्कता और परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। थाना निरीक्षण के बाद एसपी ग्रामीण नौहझील–बाजना तिराहा स्थित पुलिस चेकिंग पॉइंट भी पहुंचे। वहां उन्होंने वाहनों की सघन जांच करने और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करे, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था परखी पुलिसकर्मियों को दिए सख्त निर्देश

वाहनों की सघन चेकिंग पर दिया जोर

10 करोड़ से होगा औद्योगिक क्षेत्र का कायाकल्प

औद्योगिक क्षेत्र साइट ए में शिलान्यास करते हुए विधायक श्रीकांत शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। औद्योगिक क्षेत्र साइट ए में क्षतिग्रस्त सड़कों और नालियों के पुनर्निर्माण के लिए लगभग 10.12 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास मथुरा–वृंदावन विधायक श्रीकांत शर्मा ने पूजा–अर्चना के साथ किया। उद्योगपति अतुल अग्रवाल ने औद्योगिक क्षेत्र में बाहरी क्षेत्रों का कूड़ा डाले जाने की समस्या उठाते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग की। पर्यावरण समिति के सदस्य मनोज सक्सेना ने क्षेत्र में व्यापक पौधारोपण की आवश्यकता बताई। वीरेंद्र गोयल,विपिन अग्रवाल ने नियमित सफाई व्यवस्था, वर्षा ऋतु से पूर्व नालों की सफाई कराने का सुझाव दिया।

विधायक ने उद्योगों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब सड़कों और नालियों के पुनर्निर्माण के बाद औद्योगिक क्षेत्र के विकास के साथ–साथ जनसुविधाओं को भी नई गति मिलेगी।

संचालन करते हुए इंजीनियर आकाश सिंघल ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप औद्योगिक विकास और जनसुविधाओं को बेहतर होगी। इस मौके पर आरपी सिंघल,सहायक सिविल यूपीसीडा अभिषेक यादव, उपायुक्त उद्योग चंद्रपाल सिंह, क्षेत्रीय पार्षद राजीव सिंह,कुलदीप पाठक,लखवेंद्र गौतम, नरेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, कृष्णकांत शर्मा सहित अनेक उद्योगपति और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनगणना कार्यक्रम में सर्किल नंबर आठ की टीम रही अव्वल

यूनिक समय, छाता। महत्वाकांक्षी जनगणना कार्यक्रम के अंतर्गत छाता तहसील सर्किल नंबर आठ की टीम के सुपरवाइजर कुलवंत सिंह, सहायक बंधु कमलेश कुमारी, संध्या, सुधा, सुनीता और वंदना कुमारी ने तत्परता दिखाते हुए जनगणना कार्य को न केवल समय से पूरा किया, बल्कि डिजिटल पोर्टल पर रिकॉर्ड दर्ज कराने में मथुरा और पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। टीम की इस उपलब्धि पर एसडीएम वैभव गुप्ता और तहसीलदार छाता सचिन पवार ने बधाई दी। इस बार की जनगणना को पूरी तरह डिजिटल और ऑनलाइन किया जा रहा है, जिसमें सटीकता और समयबद्धता का विशेष महत्व है। सुपरवाइजर कुलवंत सिंह ने बताया कि टीम की सफलता पर तहसील मुख्यालय में हर्ष का माहौल है।

सिविल लॉयर्स फोरम की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

महेंद्र शर्मा अध्यक्ष, राकेश तिवारी उपाध्यक्ष बने

भव्य समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। सिविल लॉयर्स फोरम की वर्ष 2026–27 की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एक स्थानीय होटल मे हुआ। नई टीम में महेंद्र प्रताप शर्मा अध्यक्ष, राकेश तिवारी उपाध्यक्ष, बृजेंद्र वैदिक सचिव, संकल्प शर्मा संयुक्त सचिव, दिनेश अग्रवाल ऑडिटर और धर्मेंद्र कोषाध्यक्ष चुने गए।

शुभारंभ वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व विधायक हुकम चंद तिवारी, केके अरोड़ा, रमेश चंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र केसरिया और नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेंद्र प्रताप शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण- दीप प्रज्ज्वलन करके किया।

राजकुमार अग्रवाल के सौजन्य से सात वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान भी हुआ। मुख्य अतिथि जिला जज विकास कुमार का भी स्वागत हुआ। पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र केसरिया ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। बार एसोसिएशन सचिव मनोज शर्मा और अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने फोरम को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

समारोह में रमेश कुमार शर्मा, महेश चतुर्वेदी, मुकेश खंडेलवाल, पवन चतुर्वेदी, अजय कुमार शर्मा, अंकित चतुर्वेदी, चिराग बंसल, देव अग्रवाल, गोपाल खंडेलवाल, देवांशु खंडेलवाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

वृंदावन को जाममुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

प्रशासन और सामाजिक संगठनों ने बनाई संयुक्त रणनीति

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन में लगातार बढ़ रही यातायात और जाम की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में बैठक हुई। बैठक में नगर निगम, यातायात पुलिस, कोतवाली पुलिस, पर्यटन विभाग, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण और एसीएम कार्यालय के अधिकारियों के साथ वृंदावन सिविल सोसायटी, व्यापार मंडल और ब्रजवासी तीर्थ पुरोहित पंडा सभा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अध्यक्षता कर रहे सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने कहा कि जाम की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयास जरूरी हैं।

यातायात समस्या को लेकर बैठक में मंथन करते सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र एवं अन्य।

यातायात सुधार के लिए बनेगी संयुक्त कार्ययोजना

अतिक्रमण, पार्किंग और ई–रिक्शा व्यवस्था पर जोर

अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण और संकेतक बोर्ड लगाने की बात कही। क्षेत्राधिकारी सदर प्रीतम पाल सिंह ने गलत पार्किंग और यातायात बाधित करने वालों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वृंदावन सिविल सोसायटी ने ई–रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने, भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण और पार्किंग बढ़ाने का सुझाव दिया। व्यापार मंडल ने बाजारों में अतिक्रमण हटाने की मांग रखी, जबकि ब्रजवासी तीर्थ पुरोहित पंडा सभा ने श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।बैठक में श्याम सुंदर गौतम, अभय वशिष्ठ, विजय रिणंवा, पवन सिंह सिसोदिया, पवन ठाकुर, धनेंद्र अग्रवाल बॉबी, विजय राघव शेरु, विनीत उपाध्याय, सुधीर शुक्ला, रवि यादव, राघव भारद्वाज, धर्मेंद्र गौतम लीला, जितेंद्र सिंह राणा, गोविंद नारायण बृजवासी, विवेक गौतम और विष्णु शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने जल्द प्रभावी कार्ययोजना लागू कर वृंदावन को जाममुक्त बनाने का भरोसा दिया।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर में मरीजों ने कराया उपचार

शिविर में मौजूद प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक के पदाधिकारी, साथ हैं विहिप अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल।

प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक और पामोसा फाउंडेशन का संयुक्त आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक और पामोसा फाउंडेशन पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। शुभारंभ संरक्षक योगी नवलगिरि, गोवर्धन दास अग्रवाल नीनू मुकुट वाले, अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल स्वीटी, संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, उपाध्यक्ष हरीश कुमार जैन और मनीष शोरावाला, महामंत्री प्रियेश अग्रवाल, सचिव नारायण हरि गोयल, कोषाध्यक्ष पंकज टालीवाला, सह–कोषाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, संगठन मंत्री सुधीर अग्रवाल, आय–व्यय निरीक्षक आशीष अग्रवाल नकुल, चन्द्रपाल सिंह निषाद और शिविर संयोजक राजीव अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

पुणे के आयुर्वेदाचार्य डॉ. संतोष पाठक ने 250 से अधिक मरीजों का परीक्षण कर परामर्श और निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। शिविर में शुगर जांच और आधुनिक मशीन से स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। समापन पर चिकित्सकों का सम्मान किया गया। आयोजन में संदीप निभाते, समीर कामले, सप्तपा कामले, राजू अग्रवाल, काजल ठाकुर, दीपक चौहान, संतोष उपाध्याय और रोशनी सहित अन्य सहयोगियों ने योगदान दिया।

वृंदावन और गोवर्धन में आज रात लगेगी परिक्रमा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास की पूर्णिमा पर, यानि 31 मई को पंचकोसीय परिक्रमा देने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा। परिक्रमार्थियों के सैलाब को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी तैयारी की है, लेकिन पिछले दिनों परिक्रमा लगाने वाले श्रद्दालुओं की यह शिकायत रही है कि पुलिस परिक्रमा मार्ग में बड़े चार पहिया वाहनों के आवागमन को नहीं रोकती है। यह वाहन दनदना दन दौड़ते रहते हैं, भले इन वाहनों की चपेट में

परिक्रमा मार्ग में बड़े वाहन रोकने की मांग

दंडौती परिक्रमा लगाने वाले क्यों नहीं आ जाएं। प्रतिबंध लगाने के बाद भी बड़े वाहन दिन की बात तो छोड़िए और रात के वक्त श्रद्धालुओं के बीच चलते दिखाई देते हैं। परिक्रमा देने के लिए बाहर से श्रद्धालु यहां आते हैं। उधर, गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाने के लिए श्रद्धालु आज रात पहुंच जाएंगे। पूरी रात परिक्रमा लगाएंगे।

दबंग राशन डीलर का गरीब की जमीन पर अवैध कब्जा

यूनिक समय, दौताना/छाता। तहसील क्षेत्र के गांव दौताना में एक गरीब की जमीन पर गांव के ही दबंग राशन डीलर द्वारा जबरन कब्जा करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित न्याय के लिए लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, लेकिन प्रशासनिक आदेशों के बावजूद अभी तक उसे जमीन वापस नहीं मिल सकी है।

मकसूद अली ने बताया कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही रसूखदार और दबंग राशन डीलर ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। बार–बार शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम ने जांच की थी। लेखपाल द्वारा की गई आधिकारिक पड़ताल में साफ हो गया कि उक्त जमीन पूरी तरह से पीड़ित मकसूद अली की ही है। आरोप है कि जमीन उसकी सिद्ध होने के बावजूद विपक्षी दबंग राशन डीलर के हौसले बुलंद हैं। उसने जबरन जमीन पर कब्जा बरकरार

लेखपाल की रिपोर्ट के बाद भी नहीं हटा वाटर प्लांट

रखते हुए वहां एक कमर्शियल आरओ वाटर प्लांट भी लगवा दिया है। हैरानी की बात यह है कि मौके पर पुलिस और लेखपाल के पहुंचने और चेतावनी देने के बाद भी दबंग ने कब्जा नहीं हटाया, जो सीधे तौर पर प्रशासन को चुनौती है।

पीड़ित मकसूद अली का कहना है कि वह हर स्तर पर कागजी रूप से सही है। लेखपाल की रिपोर्ट भी उसके पक्ष में है, इसके बावजूद उसे अपनी ही जमीन के लिए अधिकारियों के चौखट पर पैर घिसने पड़ रहे हैं। पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि उसकी जमीन से तत्काल अवैध कब्जा हटवाया जाए और दबंग राशन डीलर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

भाजपा नेता लक्ष्मीकांत पहुंचे बांके बिहारी के दर पर

यूनिक समय,वृंदावन। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी सपरिवार यहां पहुंचे। उन्होंने ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन और पूजन किया। पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश गौतम ने उनका स्वागत किया।

महिला अस्पताल में उमड़ रही भीड़

खून की कमी से जूझ रहीं हैं गर्भवती महिलाएं

यूनिक समय, मथुरा। जिला महिला चिकित्सालय में इन दिनों महिलाओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 250 से अधिक महिलाएं इलाज और परामर्श के लिए पहुंच रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या गर्भवती महिलाओं की है, जिनमें से काफी खून की कमी से प्रभावित निकल रहीं हैं।

अस्पताल में रोजाना करीब 150 गर्भवती महिलाएं जांच कराने पहुंचती रहीं हैं। वहीं लगभग 50 महिलाएं पुरानी पर्ची लेकर दोबारा जांच और दवा लेने आती हैं, जबकि कई महिलाएं खून की कमी, मासिक धर्म संबंधी समस्याओं और अन्य रोगों के उपचार के लिए भी अस्पताल पहुंच रही हैं।

जिला महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पूर्वानी ने बताया कि डॉक्टरों द्वारा तय समय के अनुसार गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है। बड़ी संख्या में महिलाएं

जिला महिला अस्पताल में महिला अपनी बारी का इंतजार करते हुए महिलाएं।

अस्पताल आ रही हैं, गर्मी के बावजूद महिलाएं घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कृष्णा शर्मा ने बताया कि महिलाएं अपनी अलग–अलग समस्याओं को लेकर आ रहीं है। गर्भावस्था के दौरान क्या खाना चाहिए और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मां और बच्चे दोनों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन बहुत जरूरी है। गर्भवती महिलाओं को रोज दूध, दही, पनीर, हरी सब्जियां, दाल, मौसमी फल और सूखे मेवे खाने चाहिए। शरीर में खून की कमी न हो, इसके लिए पालक, चुकंदर, अनार, गुड़ और चना का सेवन फायदेमंद होता है। साथ ही डॉक्टर की सलाह से आयरन और कैल्शियम की

रोज 250 से ज्यादा महिलाएं पहुंच रहीं इलाज को

सही खानपान और नियमित जांच से होगा लाभ

गोलियां भी नियमित रूप से लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान जंक फूड, ज्यादा तला–भुना भोजन और बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी दवा का सेवन नहीं करना चाहिए। पर्याप्त पानी पीना, समय पर आराम करना और हल्की सैर करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच कराने से किसी भी समस्या का समय रहते पता चल जाता है और उसका इलाज आसानी से किया जा सकता है। इससे प्रसव के समय जोखिम कम होता है और मां व बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं।

पुरुषोत्तम मास में द्वारकाधीश मंदिर में सजा फूल बंगला

द्वारकाधीश मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद जेसीआई के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा ग्रेटर ने पुरुषोत्तम मास पर ठा. श्री द्वारकाधीश मंदिर परिसर में भव्य फूल बंगला एवं नौका विहार मनोरथ का आयोजन किया। आकर्षक फूल सज्जा और भक्तिमय माहौल ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत भजन संध्या, फूलों की होली और चटपटी चाट के साथ प्रसादी वितरण की व्यवस्था यमुना पैलेस में अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सर्राफ के नेतृत्व में की गई। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक उल्लास का आनंद लिया।

नौका विहार मनोरथ और भजन संध्या ने मोहा मन

श्रद्धालुओं ने फूलों की होली और प्रसादी का लिया आनंद

इस अवसर पर मुख्य यजमान प्रभात अग्रवाल, नीता अग्रवाल, यश अग्रवाल और वाणी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में यश गुप्ता, मनीष जी कंठी माला, राजू हाथी वाले, पीडी खंडेलवाल, वरुण गर्ग, मेधा गर्ग, गोकुल गर्ग, यति गर्ग, अनूप, नितिन, किशोर और अंशुल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

क्या दांतों की अनदेखी छीन सकती है मां बनने की खुशी?

स्टडी में सामने आया चौंकाने वाला कनेक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर लोग ओरल हेल्थ को केवल दांतों और मसूड़ों की सेहत से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हाल ही में सामने आई एक स्टडी ने इस विषय को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है। शोध में संकेत मिले हैं कि खराब ओरल हेल्थ का असर केवल मुंह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह महिलाओं की प्रजनन क्षमता यानी फर्टिलिटी को भी प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर के अलग-अलग अंग आपस में गहराई से जुड़े होते हैं और किसी एक हिस्से की समस्या दूसरे हिस्से पर भी प्रभाव डाल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, मसूड़ों की सूजन और मुंह में लंबे समय तक बने रहने वाले संक्रमण शरीर में सूजन से जुड़ी प्रतिक्रियाओं को बढ़ा सकते हैं। शोधकर्ता ओं ने पाया कि लगातार रहने वाली ओरल सूजन का असर ओवरी यानी अंडाशय के उत्तकों पर भी दिखाई दे सकता है। अध्ययन में ओवरी में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और कुछ जैविक बदलावों के संकेत मिले, जो प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। रिसर्च के दौरान यह भी देखा गया कि ऐसी स्थिति में अंडों की गुणवत्ता और फॉलिकल्स के विकास पर असर पड़ सकता है। फॉलिकल्स वे संरचनाएं होती हैं जिनमें अंडों का विकास होता है। यदि इनकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, तो गर्भधारण की संभावना भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि यह अध्ययन चूहों पर किया गया था, इसलिए वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि इंसानों में इस संबंध की पुष्टि के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अच्छी ओरल हेल्थ केवल दांतों को मजबूत रखने के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से ब्रश करना, फ्लॉस का उपयोग करना, संतुलित आहार लेना और समय-समय पर दंत चिकित्सक से जांच करवाना जरूरी है। मसूड़ों में सूजन, खून आना या दर्द जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह अध्ययन इस बात की ओर इशारा करता है कि छोटी दिखने वाली स्वास्थ्य समस्याएं भी बड़े प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ ओरल हेल्थ का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ दांत और मसूड़े बेहतर संपूर्ण स्वास्थ्य की पहचान माने जाते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशेषज्ञों की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशेषज्ञों ने दी चेतावनी, समय रहते पहचानें बीमारी के लक्षण हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल लाखों लोगों की मौत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, खैनी और पान मसाला जैसे तंबाकू उत्पादों का सेवन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तंबाकू मुंह, गले, फूड पाइप और फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण बन सकता है। कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। मुंह में लंबे समय तक रहने वाले छाले, सफेद या लाल धब्बे, निगलने में परेशानी, लगातार गले में खराश और आवाज में बदलाव जैसे संकेत गंभीर हो सकते हैं।

इसके अलावा बार-बार खांसी आना, बिना कारण वजन घटना, गर्दन या जबड़े में गांठ महसूस होना और मसूड़ों में लगातार दर्द या सूजन भी कैंसर के संभावित लक्षण माने जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, समय रहते जांच और तंबाकू से दूरी बनाकर इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली ही कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

प्रोबायोटिक्स से भरपूर साउथ इंडियन ड्रिंक

गर्मी में अमृत से कम नहीं रागी अंबली

गर्मियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। तेज धूप, बढ़ता तापमान और पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है, जिससे थकान, कमजोरी और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे समय में खानपान का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप भी गर्मियों में किसी ऐसे पेय की तलाश कर रहे हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो, तो रागी अंबली आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।रागी अंबली दक्षिण भारत की एक पारंपरिक और पौष्टिक ड्रिंक है, जिसे खासतौर पर गर्मियों में पिया जाता है। यह रागी के आटे और दही से तैयार की जाती है। रागी को पोषक तत्वों का खजाना माना जाता है, जबकि दही में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि रागी अंबली को एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक ड्रिंक माना जाता है। इस

पेय को बनाने की प्रक्रिया थोड़ी लंबी जरूर है, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ इसे खास बनाते हैं। सबसे पहले रागी के आटे को पानी में मिलाकर चिकना घोल तैयार किया जाता है। इसके बाद इसे उबलते पानी में पकाया जाता है और ठंडा होने के लिए छोड़ दिया जाता है। फिर इस मिश्रण को पानी में मिलाकर 8 से 10 घंटे तक फर्मेंटेशन के लिए रखा जाता है। फर्मेंटेशन के दौरान इसमें लाभकारी बैक्टीरिया विकसित होते हैं, जो इसे पाचन के लिए बेहद फायदेमंद बना देते हैं। फर्मेंटेशन पूरा होने के बाद इसमें दही मिलाया जाता है और स्वाद बढ़ाने के लिए हरी मिर्च, अदरक, करी पत्ता, हरा धनिया और नमक डाला जाता है। इस तरह तैयार रागी अंबली स्वाद, पोषण और ताजगी का बेहतरीन मिश्रण बन जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, रागी कैल्शियम, आयरन, फाइबर और कई महत्वपूर्ण खनिजों से भरपूर होती है। इसका नियमित सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, शरीर को ऊर्जा देने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर लंबे समय तक पेट भरा रखने में सहायक होता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन नियंत्रण में भी मदद मिल सकती है। गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। रागी अंबली इस काम में भी काफी मददगार साबित होती है। यह शरीर में पानी की कमी को दूर करने के साथ-साथ पेट को ठंडक पहुंचाती है और दिनभर ताजगी का एहसास कराती है। यही कारण है कि दक्षिण भारत के कई हिस्सों में इसे पारंपरिक ऊर्जा पेय के रूप में पसंद किया जाता है। अगर आप बाजार में मिलने वाले मीठे और कृत्रिम पेय पदार्थों की जगह कोई प्राकृतिक और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प अपनाना चाहते हैं, तो रागी अंबली को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। यह न केवल गर्मी से राहत दिलाती है, बल्कि शरीर को आवश्यक पोषण भी प्रदान करती है। स्वाद और सेहत का यह अनोखा मेल हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

बिजली गिरने के दौरान बरतें सावधानी

आंधी-तूफान में ये गलती पड़ सकती है भारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में अचानक आने वाली आंधी, तेज बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं आम हो गई हैं। हालांकि ये प्राकृतिक घटनाएं मौसम को सुहावना बना देती हैं, लेकिन इनके साथ कई बड़े खतरे भी जुड़े होते हैं। हर साल बिजली गिरने से कई लोगों की जान चली जाती है, इसलिए ऐसे समय में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, बिजली गिरना एक खतरनाक प्राकृतिक घटना है, जो कुछ ही सेकंड में गंभीर चोट, आग लगने या जान-माल के नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए आंधी-तूफान के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए। उंचे पेड़ अक्सर बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जिससे वहां खड़े लोगों पर खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा खुले मैदान, खेत, पार्क या छत पर खड़े रहना भी जोखिम भरा हो सकता है। मौसम खराब होते ही किसी सुरक्षित इमारत या बंद स्थान में शरण लेना सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। आंधी के दौरान वाहन चलाने से भी बचना चाहिए। तेज हवाएं, धूल और कम दृश्यता सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। वहीं बिजली कड़कने के समय मोबाइल, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्जिंग पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव से ये खराब हो सकते हैं। याद रखें, सही जानकारी और सतर्कता ही प्राकृतिक आपदाओं से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। मौसम खराब होने पर सुरक्षित स्थान पर रहें और अनावश्यक जोखिम लेने से बचें।

भीड़-भाड़ और तपती धूप से दूर

दिल्ली से वीकेंड ट्रिप के लिए बेस्ट हैं ये हिल स्टेशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम अपने चरम पर है और दिल्ली-एनसीआर में पारा लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। ऐसे में हर कोई कुछ समय के लिए गर्मी और भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर जाकर सुकून के पल बिताना चाहता है। अगर आप भी इस वीकेंड कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो दिल्ली के आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत हिल स्टेशन आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं। खास बात यह है कि इन जगहों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है और दो दिन की छोटी यात्रा में भी भरपूर आनंद लिया जा सकता है। सबसे पहले बात करते हैं ऋषिकेश की। गंगा नदी के किनारे बसा यह शहर आध्यात्मिक शांति और रोमांच का अनोखा संगम है। यहां

रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और शाम की गंगा आरती पर्यटकों को खास आकर्षित करती है। अगर झीलों और पहाड़ों का अद्भुत नजारा देखना चाहते हैं, तो नैनीताल आपके लिए शानदार जगह है। नैनी झील में नौका विहार, मॉल रोड की सैर और स्नो व्यू पॉइंट से दिखाई देने वाले मनोरम दृश्य यात्रा को यादगार बना देते हैं। हिमाचल प्रदेश का कसौली उन लोगों के लिए स्वर्ग है जो शांति पसंद करते हैं। चीड़ के जंगलों और शांत वातावरण के बीच मंकी पॉइंट और सनसेट पॉइंट से दिखाई देने वाले नजारे मन मोह लेते हैं। लैंसडाउन भी एक ऐसा हिल स्टेशन है जहां भीड़ कम और सुकून ज्यादा मिलता है। घने जंगलों, साफ-सुथरी सड़कों और प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह वीकेंड ट्रिप के लिए आदर्श स्थान माना जाता है। नैनीताल के पास स्थित भीमताल अपनी विशाल झील और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्रकृति प्रेमी आराम से समय बिता सकते हैं और झील की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। वहीं, मसूरी आज भी पर्यटकों की पहली पसंद बनी हुई है। 'पहाड़ों की रानी' कहलाने वाली यह जगह केम्प्टी फॉल्स, गन हिल और मॉल रोड जैसे आकर्षणों के लिए जानी जाती है। यहां की ठंडी हवाएं और खूबसूरत वादियां हर किसी का दिल जीत लेती हैं। अगर आप इस वीकेंड गर्मी से राहत और प्रकृति के बीच कुछ यादगार पल बिताना चाहते हैं, तो ये छह हिल स्टेशन आपके सफर को खास बना सकते हैं।

प्रोटीन से भरपूर पेसट्टू सेहत का नया सुपरफूड

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग ऐसा नाश्ता चाहते हैं जो जल्दी तैयार हो, स्वादिष्ट हो और शरीर को भरपूर पोषण भी दे। ऐसे में दक्षिण भारत की लोकप्रिय डिश पेसरट्टू एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आई है। हाल ही में सद्गुरु की बेटी और प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना राधे जग्गी ने इस हाई-प्रोटीन रेसिपी के बारे में जानकारी साझा की, जिसे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। पेसरट्टू को आमतौर पर मूंग दाल का डोसा भी कहा जाता है। यह प्रोटीन, फाइबर और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करने में मदद करते हैं। राधे जग्गी के अनुसार, यह नाश्ता दिनभर सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने का आसान तरीका है।इसे बनाने के लिए हरी मूंग दाल और चावल को रातभर पानी में भिगोया जाता है। सुबह इन्हें हरी मिर्च, अदरक और पालक के साथ पीसकर चिकना घोल तैयार किया जाता है। इसके बाद गर्म तवे पर डोसे की तरह फैलाकर घी के साथ सुनहरा होने तक सेंका जाता है। तैयार पेसरट्टू को नारियल चटनी, हरी चटनी या सांभर के साथ परोसा जा सकता है। स्वाद को और बेहतर बनाने के लिए इसमें पनीर या आलू की स्टफिंग भी मिलाई जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मूंग दाल में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूती देता है, जबकि फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अगर आप सुबह की जल्दबाजी में भी पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता करना चाहते हैं, तो पेसरट्टू आपकी डाइट का हिस्सा जरूर होना चाहिए। यह स्वाद और सेहत का ऐसा मेल है जो पूरे दिन शरीर को ऊर्जा से भरपूर रख सकता है।

सुविचार

मुस्कान एक ऐसी दौलत है, जो बांटने से और बढ़ती है।

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	11:58-02:14 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	04:11-07:08 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	07:26 PM
सूर्यास्त		7:05 PM	चंद्रास्त	05:41 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:43PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:52-04:40
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:23 PM: 07:05 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नरकासुर वध में सत्यभामा बनीं विजय की महाशक्ति

भूदेवी अवतार ने किया असुर का संहार

यूनिक समय, मथुरा। पुराणों में वर्णन मिलता है कि एक बार देवर्षि नारद स्वर्ग से पारिजात पुष्प लेकर द्वारका पहुंचे। उन्होंने वह दिव्य पुष्प माता रुक्मिणी को भेंट कर दिया। इससे सत्यभामा के स्वाभिमान को ठेस पहुंची। श्रीकृष्ण ने उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें गरुड़ पर बैठाकर स्वर्ग की यात्रा कराई। वहां इंद्र के साथ हुए संघर्ष के बाद श्रीकृष्ण पारिजात वृक्ष को द्वारका ले आए और सत्यभामा के महल के प्रांगण में स्थापित कर दिया।

हालांकि सत्यभामा की सबसे प्रसिद्ध कथा नरकासुर वध से जुड़ी हुई है। नरकासुर एक अत्याचारी असुर राजा था, जिसने तीनों लोकों में आतंक मचा रखा था। उसे ऐसा वरदान प्राप्त था कि उसकी मृत्यु केवल उसकी माता भूदेवी के हाथों ही हो सकती थी। चूंकि सत्यभामा भूदेवी का अवतार थीं, इसलिए नरकासुर के अंत का दायित्व उन्हीं के माध्यम से पूरा होना था।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कथा के अनुसार जब श्रीकृष्ण नरकासुर से युद्ध करने पहुंचे तो सत्यभामा भी उनके साथ रणभूमि में मौजूद थीं। युद्ध के दौरान श्रीकृष्ण ने एक रणनीति के तहत स्वयं को मूर्छित होने का अभिनय किया। अपने पति को घायल अवस्था में देखकर सत्यभामा का क्रोध जाग उठा। उन्होंने तत्काल श्रीकृष्ण का दिव्य धनुष सारंग उठाया और युद्ध का नेतृत्व संभाल लिया।

सत्यभामा ने अदभुत वीरता का परिचय देते हुए नरकासुर पर घातक प्रहार किया। उनके छोड़े गए अचूक बाण से नरकासुर का अंत हुआ और देवताओं तथा पृथ्वी को उसके आतंक से मुक्ति मिली। इस विजय की स्मृति में आज भी दीपावली से एक दिन पूर्व नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। यह कथा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह भी संदेश देती है कि नारी शक्ति आवश्यकता पड़ने पर धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश के लिए निर्णायक भूमिका निभा सकती है। माता सत्यभामा का साहस और पराक्रम भारतीय पौराणिक परंपरा में आज भी प्रेरणा का स्रोत माना जाता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें।

वृषभ: कल धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। पुराने निवेश फायदा दे सकते हैं। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन: कल रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

कर्क: कल भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में खुशियां रहेंगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

सिंह: आज नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं।

कन्या: कल योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभकारी रहेगा। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अनावश्यक विवादों से दूरी रखें।

तुला: कल भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। निवेश सोच–समझकर करें।

वृश्चिक: कल धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार के सहयोग से समस्याओं का समाधान होगा।

धनु: कल साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा।

मकर: कल मेहनत का पूरा फल मिलने के योग हैं। कार्यस्थल पर सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ: कल रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

मीन: कल परिवार और घर से जुड़े मामलों पर ध्यान रहेगा। संपत्ति संबंधी कार्यों में प्रगति हो सकती है। मानसिक शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में संतुलित दृष्टिकोण लाभ देगा।

ये सात पौधे घर में ला सकते हैं मुसीबत

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में पेड़–पौधों को केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं, बल्कि आस्था और आध्यात्मिकता का प्रतीक भी माना जाता है। कई वृक्षों और पौधों की पूजा विशेष व्रत, त्योहार और धार्मिक अनुष्ठानों में की जाती है। हालांकि धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ ऐसे पौधे भी हैं, जिनकी पूजा तो की जाती है, लेकिन उन्हें घर या बालकनी में लगाने की सलाह नहीं दी जाती। इन पौधों में सबसे प्रमुख नाम बरगद और पीपल का है। बरगद को देववृक्ष माना जाता है और वट सावित्री व्रत में इसकी विशेष पूजा की जाती है। वहीं पीपल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। बावजूद इसके, इन दोनों वृक्षों को घर में लगाने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इनकी जड़ें काफी दूर तक फैलती

हैं, जिससे भवन की नींव को नुकसान पहुंच सकता है। शमी का पौधा भी शनिदेव और भगवान शिव की पूजा से जुड़ा हुआ है। शनि दोष की शांति के लिए इसकी पूजा की जाती है, लेकिन वास्तु मान्यताओं के अनुसार इसे घर के भीतर लगाने की बजाय बाहर लगाना अधिक उचित माना गया है। आंवला और केला भी धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माने जाते हैं। आंवला नवमी और गुरुवार के व्रत में इनकी विशेष पूजा होती है। हालांकि मान्यता है कि आंवले का पौधा मुख्य द्वार के सामने और केले का पौधा गलत दिशा में लगाने से आर्थिक तथा पारिवारिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा आक (मदार) और इमली के पौधों को भी घर के भीतर लगाने से बचने की सलाह दी जाती है। आक का पौधा भगवान शिव को प्रिय माना जाता है, लेकिन

वास्तु अनुसार बढ़ा सकते हैं परेशानियां

धार्मिक मान्यताओं में बताए गए कारण

इसके दूध को त्वचा और आंखों के लिए हानिकारक माना गया है। वहीं इमली के पेड़ को लेकर मान्यता है कि यह घर में नकारात्मकता और आपसी विवाद बढ़ा सकता है। धार्मिक और वास्तु शास्त्र से जुड़ी ये मान्यताएं पीढ़ियों से चली आ रही हैं। हालांकि इनके समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं। इसलिए इन बातों को आस्था और परंपरा के संदर्भ में समझना चाहिए तथा पौधे लगाने से पहले उनकी प्रकृति, आकार और स्थान का भी ध्यान रखना चाहिए।

क्या शनिवार को लोहा खरीदने से बढ़ती हैं परेशानियां

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का विशेष धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व माना गया है। शनिवार का दिन कर्मफलदाता शनिदेव को समर्पित होता है। यही कारण है कि इस दिन किए जाने वाले कार्यों और खरीदी जाने वाली वस्तुओं को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। इनमें सबसे प्रमुख मान्यता शनिवार को लोहा या लोहे से बनी वस्तुएं खरीदने से जुड़ी हुई है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार लोहा शनिदेव की प्रिय धातु माना जाता है। मान्यता है कि शनिवार के दिन लोहा खरीदकर घर लाने से शनि का प्रभाव घर में प्रवेश करता है। इस कारण अनेक लोग शनिवार को लोहे की छड़ें, स्टील के बर्तन, वाहन या अन्य लोहे से बनी वस्तुएं खरीदने से परहेज करते हैं। धार्मिक विश्वास के अनुसार ऐसा

करने से आर्थिक परेशानियां, पारिवारिक कलह, मानसिक तनाव और कार्यों में रुकावट जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि जिन लोगों की कुंडली में शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या महादशा चल रही हो, उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हालांकि शनि के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए लोहे से बने छल्ले धारण करने और लोहे

शनिदेव से जुड़ी हैं धार्मिक मान्यताएं

दान को माना जाता अधिक शुभ

या स्टील की वस्तुओं का दान करने की परंपरा भी प्रचलित है। माना जाता है कि दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और जीवन की बाधाओं में कमी आती है। केवल लोहा ही नहीं, शनिवार के दिन कुछ अन्य वस्तुओं की खरीदारी भी वर्जित मानी गई है। इनमें सरसों का तेल, नमक, काले तिल, काले जूते, काले वस्त्र, कंबल और छाता जैसी वस्तुएं शामिल हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये सभी वस्तुएं शनि से संबंधित हैं। इसलिए इनकी खरीदारी के बजाय जरूरतमंदों को दान करना अधिक शुभ माना जाता है। हालांकि आधुनिक जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं, जब शनिवार को ही लोहे या उससे संबंधित वस्तुओं की खरीदारी करना आवश्यक हो जाता है। ऐसी स्थिति में कुछ विद्वान सलाह देते हैं कि वस्तु का भुगतान एक दिन पहले कर दिया जाए और शनिवार को केवल उसकी डिलीवरी ली जाए। इससे धार्मिक मान्यताओं का पालन भी हो जाता है और आवश्यक कार्य भी पूरा हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये सभी धारणाएं आस्था और परंपरा पर आधारित हैं। इनके समर्थन में कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए व्यक्ति अपनी धार्मिक मान्यताओं, पारिवारिक परंपराओं और व्यक्तिगत विश्वास के अनुसार निर्णय ले सकता है।

सम्पादकीय

मतदाता अधिकार और आयोग की शक्ति का संतुलन

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा से सुनिश्चित होती है। इसी संदर्भ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत ने चुनाव आयोग की उस संवैधानिक शक्ति को मान्यता दी है, जिसके तहत वह समय-समय पर मतदाता सूचियों की समीक्षा और संशोधन कर सकता है। यह निर्णय

पवन गौतम
संपादक

चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा कदम है। दरअसल, निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद ही सटीक मतदाता सूची पर टिकी होती है। यदि सूची में फर्जी, मृत या अपात्र व्यक्तियों के नाम बने रहते हैं तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। ऐसे में चुनाव आयोग को सूची के पुनरीक्षण का अधिकार होना ही चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इसी सिद्धांत को बल प्रदान किया है। साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का अर्थ यह नहीं है कि उसे विदेशी नागरिक घोषित कर दिया गया है। नागरिकता निर्धारित करने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी के पास ही रहेगा। फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार मताधिकार को केवल वैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार के रूप में भी स्वीकार किया है। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि इससे मतदाताओं के अधिकारों को अधिक न्यायिक संरक्षण प्राप्त होगा। भविष्य में यदि किसी नागरिक को मताधिकार से वंचित किया जाता है तो अदालतें उसकी शिकायतों पर अधिक प्रभावी ढंग से विचार कर सकेंगी। हालांकि इस फैसले के कुछ ऐसे पहलू भी हैं, जिन पर बहस की गुंजाइश बनी हुई है। यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो उसके लिए स्वयं अपनी वैधता साबित करना कई बार कठिन हो सकता है। विशेष रूप से गरीब, ग्रामीण और वंचित वर्गों के लिए यह प्रक्रिया अतिरिक्त परेशानी पैदा कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि चुनाव आयोग किसी भी नाम को हटाने से पहले पर्याप्त जांच-पड़ताल और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करे। लोकतंत्र में चुनाव आयोग और मतदाता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भविष्य की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिसमें चुनाव आयोग की शक्तियां भी सुरक्षित रहें और किसी भी वैध नागरिक का मताधिकार भी अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो। यही स्वस्थ लोकतंत्र की वास्तविक पहचान होगी।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

न्यायपालिका में एआई का बढ़ता दखल

अवसर, चुनौतियां और जवाबदेही का सवाल

राम प्रकाश वर्मा

भारत की न्यायपालिका लंबे समय से लंबित मामलों के भारी बोझ, जटिल प्रक्रियाओं और न्याय मिलने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। करोड़ों मुकदमे विभिन्न अदालतों में वर्षों से लंबित हैं, जिसके कारण न्याय व्यवस्था की कार्यक्षमता और आम नागरिकों का भरोसा दोनों प्रभावित होते हैं। ऐसे समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को न्यायिक प्रक्रिया का सहयोगी बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदम नई उम्मीदें जगा रहे हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'वन केस वन डेट' प्लेटफॉर्म और एआइ आधारित चैटबॉट 'सु-सहाय' की शुरुआत इसी परिवर्तनकारी सोच का हिस्सा है। इसका उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, सुगम और तकनीक-सक्षम बनाना है।

डिजिटल युग में न्यायपालिका का आधुनिकीकरण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। अदालतों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में दस्तावेज, याचिकाएं, साक्ष्य और कानूनी शोध सामग्री प्रस्तुत होती है। इन सबका प्रबंधन एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में एआइ आधारित प्रणालियां दस्तावेजों का वर्गीकरण, केस फाइलों का सारांश तैयार करने, पुराने निर्णयों की खोज और कानूनी अनुसंधान में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कर सकती हैं। यही कारण है कि भारतीय न्यायपालिका ने तकनीक के नियंत्रित और जिम्मेदार उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से शुरू किए गए 'सु-सहाय' चैटबॉट और 'वन केस वन डेट' प्लेटफॉर्म को इसी व्यापक सुधार प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य जिला और तहसील स्तर तक के मामलों के आंकड़ों को एकीकृत कर एक आधुनिक केस प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। इससे न केवल मामलों की निगरानी आसान होगी बल्कि परिवादियों को भी अपने मामलों की जानकारी प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। आम नागरिकों को अदालतों की प्रक्रियाओं, सुनवाई की तारीखों और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने में भी एआई आधारित प्रणाली उपयोगी साबित हो सकती है।

भारत में न्यायपालिका द्वारा एआई के उपयोग की शुरुआत पूरी तरह नई नहीं है। इससे पहले भी न्यायिक आदेशों के भारतीय भाषाओं में अनुवाद के लिए 'सुवास' जैसी प्रणाली विकसित की गई थी। इसका उद्देश्य भाषा की बाधा को कम करना और न्याय को अधिक सुलभ बनाना था। इसी प्रकार 'सुप्रीम कोर्ट पोर्टल फॉर असिस्टेंस इन कोर्ट एफिशिएंसी' यानी 'सुपेस' नामक एआइ आधारित उपकरण न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों को कानूनी शोध, निर्णयों की खोज तथा दस्तावेजी विश्लेषण में सहायता प्रदान कर रहा

है। इन प्रयासों से स्पष्ट है कि न्यायपालिका एआई को निर्णय लेने वाले उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक दक्ष सहायक के रूप में देख रही है।

वैश्विक स्तर पर भी न्यायिक व्यवस्था में एआई के उपयोग के अनेक प्रयोग किए जा चुके हैं। अमेरिका में कानूनी शोध और दस्तावेज तैयार करने के लिए एआई आधारित प्लेटफॉर्म तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। 'हार्वे' जैसे एआई प्लेटफॉर्म बड़ी अंतरराष्ट्रीय लॉ फर्मों द्वारा अनुबंध तैयार करने, मुकदमों की तैयारी और कानूनी अनुसंधान में उपयोग किए जा रहे हैं। चीन ने स्मार्ट कोर्ट और इंटरनेट कोर्ट की स्थापना कर न्यायिक प्रक्रियाओं में डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग किया है। सिंगापुर ने ई-कोर्ट और स्मार्ट रिसर्च सिस्टम विकसित किए हैं, जबकि एस्टोनिया ने छोटे मामलों के निस्तारण के लिए एआई आधारित न्यायिक मॉडल पर प्रयोग किए हैं।

हालांकि तकनीकी प्रगति के इन उदाहरणों के साथ कई गंभीर प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न जवाबदेही का है। यदि किसी एआई प्रणाली द्वारा दी गई जानकारी गलत साबित होती है या उसके आधार पर कोई त्रुटिपूर्ण कार्रवाई होती है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? यही कारण है कि न्यायिक क्षेत्र में एआई का उपयोग अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक संवेदनशील माना जाता है। न्याय केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों, मानवाधिकारों और नैतिक मानकों से जुड़ा विषय है। यहां एक छोटी सी त्रुटि भी किसी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और अधिकारों को प्रभावित कर सकती है।

दुनिया के कई देशों में एआइ आधारित कानूनी प्रणालियों को लेकर विवाद सामने आए हैं। 'डू नॉट पे' नामक एआई आधारित रोबोट वकील को शुरुआती दौर में कानूनी क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि माना गया था, लेकिन बाद में उस पर भ्रामक और गलत कानूनी सलाह देने के आरोप लगे। इससे यह स्पष्ट हुआ कि एआई अभी पूरी तरह भरोसेमंद कानूनी सलाहकार नहीं बन पाया है। इसी प्रकार कई मामलों में एआइ प्रणालियों द्वारा काल्पनिक या अस्तित्वहीन कानूनी संदर्भ प्रस्तुत करने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिसने न्यायिक क्षेत्र में इनके उपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं। भारत में भी एआई के दुरुपयोग के उदाहरण सामने आ चुके हैं। फर्जी दस्तावेज, कृत्रिम रूप से तैयार किए गए साक्ष्य, डीपफेक वीडियो और भ्रामक डिजिटल सामग्री न्यायिक प्रक्रिया के लिए नई चुनौतियां बनकर उभरी हैं। वैवाहिक विवादों से लेकर आपराधिक मामलों तक,एआई के माध्यम से तैयार किए गए नकली प्रमाण अदालतों के सामने प्रस्तुत किए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में न्यायपालिका के लिए केवल एआई का उपयोग करना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि एआइ से उत्पन्न जोखिमों से निपटने की क्षमता भी विकसित करनी होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआइ न्यायिक प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सुलभ बना सकता है, लेकिन इसे निर्णय लेने का अंतिम अधिकार नहीं दिया जा सकता। न्यायिक विवेक, संवेदनशीलता, सामाजिक संदर्भों की समझ और मानवीय मूल्यों का स्थान कोई मशीन नहीं ले सकती। कानून केवल नियमों का संग्रह नहीं है, बल्कि उसके पीछे मानवीय अनुभव, सामाजिक वास्तविकताएं और संवैधानिक दर्शन भी निहित होता है। इसलिए एआई को न्यायाधीश का विकल्प नहीं बल्कि सहयोगी उपकरण के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट 'एआइ फॉर जस्टिस' भी इसी दिशा में संकेत करती है। रिपोर्ट के अनुसार एआई न्याय तक पहुंच को आसान बना सकता है, लेकिन इसके लिए मजबूत नैतिक और नियामक ढांचे की आवश्यकता है। पारदर्शिता, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, निष्पक्षता और जवाबदेही जैसे सिद्धांतों को केंद्र में रखे बिना न्यायिक क्षेत्र में एआई का विस्तार जोखिमपूर्ण हो सकता है।

भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यहां विविध भाषाएं, सामाजिक परिस्थितियां और कानूनी जटिलताएं मौजूद हैं। एआइ प्रणालियों को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षित और विकसित करना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि न्यायिक डेटा सुरक्षित रहे और नागरिकों की निजता प्रभावित न हो।

एआई न्यायपालिका के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर आया है। यह लंबित मामलों के बोझ को कम करने, कानूनी शोध को सरल बनाने और न्यायिक सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे किस प्रकार के नैतिक, कानूनी और नियामक ढांचे के भीतर लागू किया जाता है। न्याय व्यवस्था में तकनीक का स्वागत होना चाहिए, किंतु न्याय की अंतिम कसौटी हमेशा मानवीय विवेक, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों पर ही आधारित रहनी चाहिए। यदि यह संतुलन कायम रखा गया, तो एआइ भविष्य में त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है।

विचार विण्डो

रील्स के दौर में पत्रकारिता की गंभीरता पर संकट

बोध प्रकाश सगुणी

हिंदी पत्रकारिता दिवस केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि का स्मरण भर नहीं है, बल्कि यह अवसर पत्रकारिता की वर्तमान दिशा और दशा पर गंभीर चिंतन का भी है। वर्ष 1826 में 'उदंत मार्तंड' के प्रकाशन के साथ जिस हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी, उसका मूल उद्देश्य समाज को जागरूक करना, जनमत का निर्माण करना और राष्ट्रहित के प्रश्नों को मुखरता से उठाना था। दो शताब्दियों की इस लंबी यात्रा में हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक सुधार, लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना और जनचेतना के विकास में उ ल्लेखनीय योगदान दिया है। किंतु आज जब हम मीडिया के वर्तमान स्वरूप को देखते हैं तो एक नई चुनौती हमारे सामने खड़ी दिखाई देती है-रील्स और शॉर्ट वीडियो संस्कृति का बढ़ता प्रभाव।

तकनीक का विकास हमेशा से संचार माध्यमों के विकास का आधार रहा है। छापाखाने से शुरू हुई पत्रकारिता ने रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट के आगमन के बावजूद स्वयं को समयानुकूल ढाला। हर नए माध्यम के आगमन पर पुराने माध्यमों के समाप्त होने की आशंका व्यक्त की गई, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। अखबारों ने रेडियो से प्रतिस्पर्धा करते हुए अपनी प्रस्तुति को अधिक आकर्षक बनाया, जबकि रेडियो ने एफएम और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। टेलीविजन के आगमन के बाद भी अखबार और रेडियो समाप्त नहीं हुए, बल्कि उन्होंने नए स्वरूप में खुद को स्थापित किया।

समस्या तब शुरू हुई जब सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्मों ने सूचना के स्वरूप को बदलना शुरू किया। रील्स और शॉर्ट वीडियो की दुनिया में सूचना की गति तो तेज है, लेकिन उसकी गहराई लगातार कम होती जा रही है। कुछ सेकंड की वीडियो में जटिल सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विषयों को समेटने की कोशिश अक्सर तथ्यों की बजाय आकर्षण, मनोरंजन और सनसनी को प्राथमिकता देती है। परिणामस्वरूप पत्रकारिता का मूल उद्देश्य-तथ्यपूर्ण, संतुलित और गंभीर

सूचना देना-पीछे छूटता दिखाई देता है।

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास संघर्ष, त्याग और सामाजिक सरोकारों का इतिहास रहा है। 'उदंत मार्तंड' से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के दौर के अनेक समाचार पत्रों ने आर्थिक कठिनाइयों और सरकारी दमन के बावजूद जनहित की आवाज उठाई। उनके सामने संसाधनों की कमी थी, लेकिन उद्देश्य स्पष्ट था। वे समाज में जागरण लाना चाहते थे, राष्ट्र की चेतना को मजबूत करना चाहते थे और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध थे। यही कारण है कि हिंदी पत्रकारिता के मूल संस्कारों में सार्वजनिक हित और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना गहराई से समाहित रही है।

इसके विपरीत, आधुनिक टेलीविजन पत्रकारिता का विकास आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ। इस दौर में प्रतिस्पर्धा, बाजार और दर्शक संख्या को अधिक महत्व मिला। समाचार चैनलों के बीच टीआरपी की होड़ ने कई बार समाचारों की गंभीरता को प्रभावित किया। बहसों में शोर-शराबा बढ़ा, नाटकीय प्रस्तुति को बढ़ावा मिला और सनसनीखेज विषयों को प्राथमिकता मिलने लगी। आज स्थिति यह है कि कई बार समाचार और मनोरंजन के बीच की रेखा धुंधली होती दिखाई देती है।

रील्स संस्कृति ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देते हैं जो कम समय में अधिक ध्यान आकर्षित कर सके। इसलिए गहन विश्लेषण, तथ्यपरक रिपोर्टिंग और सामाजिक सरोकारों की जगह त्वरित प्रतिक्रियाएं, भावनात्मक अपील और आकर्षक दृश्य अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता और गंभीरता दोनों प्रभावित होती हैं। सूचना की प्रचुरता के बावजूद समाज में भ्रम, आधी-अधूरी जानकारी और सतही समझ का खतरा बढ़ रहा है।

यह भी सत्य है कि नई तकनीक स्वयं में समस्या नहीं है। तकनीक केवल एक माध्यम है, उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है, यह अधिक महत्वपूर्ण है।

सोशल मीडिया और रील्स के माध्यम से समाचारों को व्यापक और तेज़ी से प्रसारित किया जा सकता है। युवा पीढ़ी तक पहुंचने के लिए इन मंचों का उपयोग आवश्यक भी है। लेकिन यदि पत्रकारिता केवल दर्शक संख्या और वायरल होने की दौड़ तक सीमित हो जाए, तो उसके मूल मूल्य कमजोर पड़ जाएंगे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता नई तकनीकों को अपनाते हुए भी अपनी मूल आत्मा को सुरक्षित रखे। रील्स और डिजिटल प्लेटफॉर्मों का उपयोग सूचना को सरल और सुलभ बनाने के लिए किया जाए, न कि उसे सतही बनाने के लिए। समाचार संस्थानों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में उनकी भूमिका केवल मनोरंजन उपलब्ध कराने की नहीं, बल्कि समाज को तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार जानकारी देने की भी है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस हमें यही संदेश देता है कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसकी विश्वसनीयता, निष्पक्षता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता में निहित है। तकनीक बदल सकती है, माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन पत्रकारिता के मूल मूल्य नहीं बदलने चाहिए। रील्स के इस तेज़ रफ्तार दौर में भी समाज को ऐसी पत्रकारिता की आवश्यकता है जो शोर से ऊपर उठकर सत्य, विवेक और जिम्मेदारी की आवाज बन सके।

अहमदाबाद में होगा आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा मुकाबला

आरसीबी रचेगी नया इतिहास या गुजरात दोहराएगी पुराना कमाल?

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का फाइनल क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी महाउत्सव से कम नहीं होने वाला है। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया है और अब उनकी नजर ट्रॉफी जीतने के साथ इतिहास रचने पर भी होगी। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस बार भी बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दी है। टीम ने लीग चरण में शानदार खेल दिखाते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस को हराकर सीधे फाइनल में जगह बनाई। अब बेंगलुरु के पास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। यदि टीम फाइनल जीत जाती है, तो वह आईपीएल इतिहास

में लगातार दो सीजन तक चैंपियन बनने वाली तीसरी टीम बन जाएगी। आईपीएल के इतिहास में अब तक केवल दो टीमें ही यह उपलब्धि हासिल कर सकी हैं। सबसे पहले चेन्नाई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में लगातार दो खिताब जीतकर यह रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में लगातार ट्रॉफी अपने नाम कर इस खास सूची में जगह बनाई। आरसीबी अब इस प्रतिष्ठित क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक जीत दूर खड़ी है। वहीं गुजरात टाइटंस भी किसी से कम नहीं है। टीम ने 2022 में अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। 2023 में भी गुजरात खिताब बचाने के बेहद करीब पहुंची, लेकिन फाइनल की आखिरी गेंद पर उसे हार का सामना करना पड़ा। अब तीन साल बाद टीम एक बार फिर फाइनल में पहुंची है और दूसरा खिताब जीतकर अपनी मजबूत पहचान को और मजबूत करना चाहती है। गुजरात के पास युवा जोश और संतुलित टीम संयोजन है, जबकि आरसीबी आत्मविश्वास और जीत की लय के साथ मैदान में उतरेगी। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। अहमदाबाद में होने वाला यह फाइनल सिर्फ ट्रॉफी जीतने की जंग नहीं, बल्कि इतिहास, सम्मान और विरासत की लड़ाई भी है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आरसीबी लगातार दूसरी बार चैंपियन बनकर नया अध्याय लिखेगी या गुजरात टाइटंस दूसरी ट्रॉफी जीतकर अपनी सफलता की कहानी को और शानदार बनाएगी। क्रिकेट प्रशंसकों को एक यादगार मुकाबले का इंतजार है।

अर्श से फर्श तक पहुंची अभिनेत्री की कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कभी फिल्मों और मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मिताली शर्मा की जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। एक समय मनोरंजन जगत में अपने करियर को लेकर बड़े सपने देखने वाली मिताली आज संघर्ष और मुश्किलों की मिसाल बन गई हैं। दिल्ली की रहने वाली मिताली शर्मा अभिनेत्री बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंची थीं। शुरुआती दौर में उन्हें कुछ प्रोजेक्ट्स और मॉडलिंग असाइनमेंट मिले, जिससे उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनानी शुरू की। हालांकि समय के साथ काम के अवसर कम होते गए और करियर की रफ्तार धीमी पड़ गई। लगातार मिल रहे रिजेक्शन और आर्थिक परेशानियों ने उनकी जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया। बताया जाता है कि परिवार के समर्थन की कमी और काम न मिलने की वजह से मिताली मानसिक तनाव का शिकार हो गईं। हालात इतने खराब हो गए कि उन्हें मुंबई के लोखंडवाला इलाके में सड़कों पर भटकते और भीख मांगते देखा गया। उनकी यह स्थिति देखकर लोग हैरान रह गए, क्योंकि कभी उन्हें उभरती हुई अभिनेत्री माना जाता था। मामला तब और चर्चा में आया जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। उन पर चोरी करने के आरोप भी लगाए गए थे। पुलिस स्टेशन ले जाने के दौरान उन्होंने कथित तौर पर विरोध किया और वहां पहुंचने के बाद अधिकारियों से खाना मांगा। उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति को देखते हुए पुलिस ने चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। डॉक्टरों की सलाह के बाद मिताली शर्मा को मानसिक स्वास्थ्य उपचार के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उनकी कहानी मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे छिपे संघर्षों और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करती है। यह घटना बताती है कि सफलता और असफलता के बीच का फासला कभी-कभी बहुत छोटा होता है और कठिन समय में मानसिक तथा सामाजिक सहयोग कितना जरूरी है।

अजीत कुमार की मां का निधन, 85 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता अजीत कुमार की मां मोहिनी का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं और चेन्नई के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। मां के निधन की खबर से अजीत कुमार और उनका परिवार गहरे शोक में डूब गया है, वहीं फिल्म जगत में भी दुख की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, अजीत कुमार अपनी मां के बेहद करीब थे और अक्सर उनके साथ धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जाया करते थे। बताया जा रहा है कि निधन के समय अभिनेता एक यात्रा पर थे और अपनी मां के अंतिम क्षणों में उनके साथ मौजूद नहीं थे। इससे पहले वर्ष 2023 में उन्होंने अपने पिता पी. सुब्रमण्यम को भी खो दिया था।

मां के निधन पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि मोहिनी अम्मायर का निधन बेहद पीड़ादायक है और इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं अजीत कुमार तथा उनके परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की। पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भी शोक जताते हुए कहा कि मां का जाना किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी क्षति होती है।

उन्होंने अजीत कुमार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मां के साथ बिताए गए अनमोल पल इस दुख की घड़ी में उन्हें शक्ति देंगे। दिग्गज अभिनेता कमल हासन सहित कई फिल्मी हस्तियों ने भी मोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित की और अजीत कुमार के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सोशल मीडिया पर हजारों प्रशंसक भी अपनी भावनाएं साझा कर रहे हैं। अजीत कुमार तमिल फिल्म उद्योग के सबसे सफल और लोकप्रिय अभिनेताओं में गिने जाते हैं। अभिनय के अलावा उन्हें मोटर रेसिंग का भी शौक है और वह कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। उनकी मां के निधन की खबर ने पूरे मनोरंजन जगत को भावुक कर दिया है।

नेताओं और सितारों ने दी श्रद्धांजलि

एक्शन को मिलेगा इंटरनेशनल तड़का

रामायणम् के एक्शन में दिखेगा हॉलीवुड का दम

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'रामायणम्' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। भव्य बजट और शानदार स्टारकास्ट के कारण पहले से चर्चा में बनी यह फिल्म अब अपने एक्शन और विजुअल्स को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही है। मेकर्स ने फिल्म को वैश्विक स्तर का सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के दिग्गज एक्शन विशेषज्ञों को टीम में शामिल किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मशहूर हॉलीवुड स्टंट और एक्शन आर्टिस्ट टेरी नोटरी तथा गाय नॉरिस इस मेगा प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं। टेरी नोटरी 'प्लैनेट ऑफ द एप्स' और 'अवेंजर्स' जैसी चर्चित फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, जबकि गाय नॉरिस 'मैड मैक्सः फ्यूरी रोड', 'फ्यूरिओसा' और 'द सुसाइड स्क्वाड' जैसी फिल्मों में शानदार एक्शन निर्देशन कर चुके हैं। इन विशेषज्ञों की एंट्री से साफ है कि निर्माता और निर्देशक रामायणम् के युद्ध, एक्शन और बड़े स्तर के दृश्यों को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के साथ पर्दे पर उतारना चाहते हैं। फिल्म का उद्देश्य केवल भारतीय दर्शकों को ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के सिनेमा प्रेमियों को भी आकर्षित करना है। निर्देशक नितेश तिवारी की इस महत्वाकांक्षी फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेता यश रावण की भूमिका में दिखाई देंगे और सनी देओल हनुमान का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसके अलावा रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। दो भागों में बनने वाली इस फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है। विजुअल इफेक्ट्स की जिम्मेदारी ऑस्कर विजेता डीएनईजी संभाल रही है, जिससे फिल्म के तकनीकी स्तर को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में दुनिया भर के आईमैक्स सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। भव्यता, तकनीक, एक्शन और स्टारकास्ट के दम पर 'रामायणम्' भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने की तैयारी में है।

यहां देखें सभी टीमों का स्क्वॉड

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आखिरी टिकट किसे मिला?

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप 2026 के शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट पर टिकी हैं, जहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला टीमें खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगी। इस बीच श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी 12 टीमों के स्क्वॉड भी सामने आ चुके हैं और प्रतियोगिता की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। इंग्लैंड और वेल्स की मेजबानी में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 12 जून से शुरू होगा। श्रीलंकाई टीम 3 जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं और प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबलों

यहां देखें सभी टीमों का स्क्वॉड

का इंतजार है। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं। भारतीय टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी, जबकि स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी अनुभवी खिलाड़ी टीम की ताकत बढ़ाएंगी। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर खिताब की सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही है। ग्रुप बी में मेजबान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और स्कॉटलैंड जैसी टीमें चुनौती पेश करेंगी। श्रीलंका की कप्तानी अनुभवी चमारी अट्टापट्टू करेंगी, जबकि न्यूजीलैंड की टीम अमेलिया केर के नेतृत्व में मैदान में उतरेगी। इंग्लैंड भी घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर खिताब जीतने की कोशिश करेगी। इस बार टूर्नामेंट में कई युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है, जिससे मुकाबले और अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें खिताब की प्रबल दावेदार हैं, लेकिन टी20 क्रिकेट की अनिश्चितता किसी भी टीम को चौंकाने का मौका दे सकती है। अब सभी टीमों के स्क्वॉड घोषित होने के बाद क्रिकेट प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। 12 जून से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट न केवल महिला क्रिकेट की ताकत दिखाएगा, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों को रोमांच, संघर्ष और यादगार मुकाबलों का शानदार अनुभव भी देगा।

ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रम्प ने आगरा में देखा ताजमहल, खूब सराहा

यूनिक समय, आगरा । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प अपने पति माइकल बॉऊलोस के साथ शनिवार को आगरा पहुंचीं और विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का भ्रमण किया। उनका चार्टर्ड विमान सुबह खेरिया एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, जिसके बाद वे होटल जाने की बजाय सीधे ताजमहल परिसर पहुंच गईं।

दोनों ने करीब एक घंटे तक ताजमहल परिसर में समय बिताया और गोल्फ कार्ट के जरिए मुख्य क्षेत्र तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डायना बेंच के पास बैठकर फोटो खिंचवाई और कई अलग-अलग पोज में तस्वीरें लीं। उनके साथ अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे। ताजमहल की भव्यता और बारीक नक्काशी देखकर टिफनी काफी प्रभावित नजर आईं। उन्होंने गाइड से सवाल पूछा कि ताजमहल में इस्तेमाल किया गया इतना सुंदर संगमरमर कहां से लाया गया और इसकी इतनी महीन कारीगरी कैसे की गई। गाइड ने बताया कि मुख्य संगमरमर भारत से आया था, जबकि अन्य कीमती पत्थर अफ्रीका, यमन और अन्य देशों से मंगाए गए थे।

ताजमहल भ्रमण के दौरान टिफनी ने पर्यटकों का अभिवादन भी किया और हाथ जोड़कर धन्यवाद दिया। इसके बाद वे होटल अमर विलास पैलेस रवाना हो गईं, जहां उनके कमरे से ताजमहल का दृश्य दिखाई देता है। दोपहर बाद उनके राजस्थान के जैसलमेर जाने का कार्यक्रम बताया गया है। इससे पहले 2020 में भी ट्रम्प परिवार ताजमहल का दौरा कर चुका है, और अब एक बार फिर अमेरिकी अतिथि के आगमन से ताजनगरी चर्चा में है।

एयरपोर्ट से सीधे पहुंचीं ताजमहल परिसर

नक्काशी और संगमरमर पर जताई हैरानी

यूपी में बिजली बिल बढ़ेगा फ्यूल सरचार्ज 10% तक बढ़ा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को जून माह में बढ़ा हुआ बिल चुकाना पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (फ्यूल सरचार्ज) में करीब 10 प्रतिशत तक वृद्धि का फैसला लिया है। यह बढ़ोतरी मार्च 2026 में हुई बिजली खरीद लागत के आधार पर लागू की जाएगी।

नए नियमों के तहत फ्यूल सरचार्ज हर महीने बदल सकता है, और इस बार जून के बिलों में इसका सीधा असर दिखाई देगा। हालांकि विभागीय आदेश में इसकी संभावित दर 20.61 प्रतिशत बताई गई थी, लेकिन फिलहाल 10 प्रतिशत ही वसूली की जाएगी।

इस फैसले पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विरोध जताते हुए जांच की मांग की है। परिषद का आरोप है कि महंगी दरों पर बिजली खरीद कर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। साथ ही यह भी सवाल उठाया गया है कि बिजली कंपनियों के सरप्लस के बावजूद यह बढ़ोतरी क्यों की जा रही है।

जून के बिल में दिखेगा अतिरिक्त बोझ

उपभोक्ता परिषद ने जांच की मांग उठाई

रामपुर में 'ऑपरेशन भैंस' का मजेदार वीडियो वायरल

कुर्बानी से पहले छत पर चढ़ी भैंस

घंटों चला ग्रामीणों का रेस्क्यू अभियान

यूनिक समय, रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के टांडा क्षेत्र के गांव मुतियापुरा में बकरीद से पहले एक अजीबो-गरीब घटना सामने आई, जिसने लोगों को हैरान कर दिया।

जानकारी के अनुसार, कुर्बानी के लिए लाई गई एक भैंस अचानक कसाई के हाथ से छूट गई और भागते-भागते एक मकान की छत पर चढ़ गई। इसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीण उसे नीचे उतारने के लिए घंटों प्रयास करते रहे। भैंस कभी छत के एक कोने से दूसरे कोने तक दौड़ती रही और उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे लोगों को चकमा देती रही। कई बार वह लोगों की ओर झपटती भी दिखी, जिससे माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। आखिरकार शोर और भीड़ के कारण भैंस छत से नीचे कूद गई, जिसमें उसे हल्की चोट आई।

लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का भव्य लोकार्पण

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय नौसेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' का भव्य लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। सीजी सिटी में विकसित यह परियोजना भारतीय नौसेना की गौरवशाली विरासत और आधुनिक तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करती है। लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस वाटिका का मुख्य आकर्षण सेवानिवृत्त युद्धपोत आईएनएस गोमती है, जिसे पर्यटन और सैन्य विरासत के केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश को बेहतर तरीके से संभाला है।

वहीं मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ अब देश की विरासत और गौरव का प्रतीक बनता जा रहा है, जहां विकास और सुरक्षा साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह वाटिका आने वाले समय में पर्यटन और देशभक्ति का प्रमुख केंद्र बनने की उम्मीद है।

राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने किया उद्घाटन

आईएनएस गोमती बना मुख्य आकर्षण केंद्र

सुल्तानपुर में सड़क पर युवती से मारपीट, वीडियो वायरल

पड़ोसी परिवार पर गंभीर आरोप

पुलिस ने शुरू की जांच कार्रवाई

यूनिक समय, सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में बीच सड़क एक युवती के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के सीताकुंड मोहल्ले की बताई जा रही है, जहां लिटिल चैंप्स स्कूल के पास एक पड़ोसी परिवार पर युवती को बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। बताया गया कि मामूली विवाद के बाद गोपीचंद्र यादव और उसके परिजनों ने युवती को घेरकर बाल पकड़कर खींचा और थप्पड़ों से हमला किया। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव किया और घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना का वीडियो किसी राहगीर ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अलीगढ़ में लिफ्ट हादसे में प्रॉपर्टी डीलर की मौत

यूनिक समय, अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में थाना क्वार्सी क्षेत्र के रामघाट रोड स्थित गंगा जवाहर कॉलोनी के एक अपार्टमेंट में दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 55 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर हरिओम वर्मा की लिफ्ट में फंसकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हरिओम वर्मा एक महिला से मिलने और प्रॉपर्टी दिखाने के लिए अपार्टमेंट पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने लिफ्ट का बटन दबाया, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट ऊपर ही अटकी हुई थी। बटन दबाते ही ग्राउंड फ्लोर का दरवाजा खुल गया और अंधेरे में भ्रम के चलते वे लिफ्ट शाफ्ट में गिर गए। इसी दौरान ऊपर से लिफ्ट अचानक नीचे आ गई और वह उसके नीचे दब गए। घटना के बाद अपार्टमेंट में अफरा-तफरी मच गई। केयरटेकर की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। लिफ्ट की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई है।

खराब लिफ्ट बनी जानलेवा, जांच जारी

परिवार में मचा कोहराम, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

सूर्या हत्याकांड: शव पहुंचते ही अंतिम संस्कार पर विवाद

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में 17 वर्षीय छात्र सूर्या चौहान की हत्या के बाद शनिवार को उसका शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करते हुए अंतिम संस्कार रोक दिया। सूर्या की मां का कहना है कि जब तक आरोपियों का एनकाउंटर नहीं होता, वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है और अधिकारियों की निगरानी में स्थिति नियंत्रित की जा रही है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार हैं।

परिवार ने एनकाउंटर की मांग की, इलाके में तनाव, पुलिस तैनात

यूपी में आंधी-बारिश से तबाही, 75 जिलों में अलर्ट जारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नौतपा के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पिछले दो दिनों से आंधी-तूफान और बारिश ने कई जिलों में जनजीवन प्रभावित कर दिया है। शनिवार को लखनऊ वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर समेत कई शहरों में बादल छाए रहे और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी यूपी में अगले कुछ घंटों में तेज आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे दिन में ही अंधेरा छा गया।

लखीमपुर खीरी, बहराइच, सहारनपुर और मेरठ जैसे जिलों में आंधी के बाद बारिश दर्ज की गई। इससे पेड़ गिरने, टिनशेड उड़ने और कच्चे मकानों को नुकसान की घटनाएं सामने आई हैं। चित्रकूट में पशु पक्षियों की भी हानि हुई है। पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान और बिजली गिरने से प्रदेश में 31 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें सबसे ज्यादा नुकसान बुंदेलखंड क्षेत्र में हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने और फील्ड में रहने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, जबकि मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

24 घंटे में 31 लोगों की मौत, अगले तीन घंटे में फिर तूफान का खतरा

दिल्ली में आतंकी साजिश नाकाम,नौ आरोपी गिरफ्तार

आईएसआई और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन की जांच

हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक कथित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में इन आरोपियों के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामान की जांच कर रही हैं और यह पता लगाने में जुटी हैं कि इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी विदेशी हैंडलरों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के संपर्क में थे। एजेंसियां उनके संचार माध्यमों, वित्तीय लेन-देन और संभावित सहयोगियों की जानकारी जुटा रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ी साजिश को अंजाम तक पहुंचने से पहले ही विफल कर दिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

कर्नाटक की कमान संभालेंगे डीके शिवकुमार जल्द

सीएलपी बैठक में लगेगी नाम पर मुहर

तीन जून को लेंगे सीएम पद की शपथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु में कांग्रेस के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार के कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार 3 जून को राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर सकते हैं।

इससे पहले शनिवार शाम 4 बजे बेंगलुरु स्थित विधान सौध में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता सिद्धारमैया करेंगे। माना जा रहा है कि इसी बैठक में विधायक दल का नया नेता चुना जाएगा और डीके शिवकुमार के नाम पर औपचारिक मुहर लग सकती है। बैठक में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, विधायक और अन्य प्रमुख नेता भी इसमें शामिल होंगे। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया सुचारु और संगठनात्मक एकजुटता के साथ पूरी हो।

शुक्रवार को सिद्धारमैया ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की थी। सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में नेतृत्व परिवर्तन और भविष्य की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने से कांग्रेस संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की कोशिश करेगी। आने वाले दिनों में नए मंत्रिमंडल के गठन और विभागों के बंटवारे को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसले सामने आ सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी, सेना पूरी तरह तैयार: आर्मी चीफ

भविष्य की लड़ाइयों पर भी दिया जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और फिलहाल केवल संघर्ष विराम जैसी स्थिति बनी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना संयुक्त रूप से "ऑपरेशन सिंदूर 2.0" के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की 150वीं पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया के सामने यह उदाहरण पेश किया है कि भारत किसी भी उकसावे का जवाब किस प्रकार देता है। उन्होंने नए सैन्य अधिकारियों से इस मानक को अपने पूरे सैन्य जीवन में बनाए रखने का आह्वान किया। सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब लड़ाइयां केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और सूचना क्षेत्र भी युद्ध का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन को भविष्य की सैन्य रणनीति का अहम आधार बताया।

जनरल द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त संचालन को और प्रभावी बनाने के लिए थिएटराइजेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और अगले दो से तीन वर्षों में यह व्यवस्था लागू हो सकती है। इस अवसर पर एनडीए के 355 कैडेट्स ने पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया, जिनमें मित्र देशों के कैडेट और महिला कैडेट भी शामिल रहे।

सीयूईटी परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी, छात्रों की बढ़ी परेशानी

कई केंद्रों पर देर से शुरू, एनटीए ने मांगी माफी, समय बदला

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीयूईटी यूजी 2026 परीक्षा के दौरान शनिवार को कई परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी गड़बड़ी के कारण अभ्यर्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने स्वीकार किया कि उसके तकनीकी साझेदार टीसीएस के सिस्टम में आई खराबी के चलते कुछ केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो सकी।

गड़बड़ी के कारण कई छात्र लंबे समय तक परीक्षा केंद्रों पर इंतजार करते रहे। स्थिति को देखते हुए एनटीए ने दोपहर की शिफ्ट का समय भी बदल दिया। अब परीक्षा दोपहर 3 बजे के बजाय शाम 4 बजे शुरू की गई। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि प्रभावित छात्रों को पूरा समय दिया जाएगा और किसी अभ्यर्थी का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। एनटीए ने इस असुविधा के लिए छात्रों और अभिभावकों से खेद व्यक्त किया है। एजेंसी का दावा है कि तकनीकी समस्या को दूर कर लिया गया है और परीक्षा सुचारु रूप से संचालित की जा रही है। हालांकि सोशल मीडिया पर कई छात्रों और अभिभावकों ने कुछ केंद्रों पर परीक्षा शुरू न होने तथा लंबी देरी की शिकायतें भी साझा की हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर एनटीए की परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। अधिकारियों ने कहा है कि सभी शिकायतों की जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सरकारी आवास विवाद पर राबड़ी देवी का पलटवार

आवास खाली करने से किया इंकार

नोटिस के बाद बढ़ा राजनीतिक घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में सरकारी आवास को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सरकारी बंगला खाली करने के नोटिस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार चाहे तो फोर्स बुलाकर आवास खाली करा ले, लेकिन वह स्वयं इसे खाली नहीं करेंगी। भवन निर्माण विभाग के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष के लिए नया सरकुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 में रह रही हैं। विभाग ने बताया कि यह आवास अब मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित किया गया है। राबड़ी देवी के बयान के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है। राजद इसे राजनीतिक दबाव की कार्रवाई बता रही है, जबकि सरकार का कहना है कि यह केवल नियमों के पालन का मामला है। अब इस मुद्दे पर सियासी बहस तेज हो गई है।

500 मीटर तक घिसटती रही कार, हाईवे पर हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के भुवनेश्वर-कटक राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर दिया। हाई-टेक स्क्वायर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने यात्रियों से भरी कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद कार ट्रक में फंस गई और करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कार सवार कई लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी दूर तक ट्रक के साथ घिसटती रही, जिससे सड़क पर भयावह दृश्य बन गया। सूचना मिलते ही मंचेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। मेडिकल जांच में चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि नहीं हुई है।

री-इवैल्यूएशन पोर्टल में गड़बड़ी छात्रों की बढ़ी चिंता

फीस 1 रुपये से 68 हजार तक दिखी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी सामने आने से छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। भुगतान प्रणाली में आई समस्या के कारण कई छात्रों को फीस राशि असामान्य रूप से दिखाई देने लगी। कुछ मामलों में शुल्क केवल 1 रुपये दिखा, जबकि कई छात्रों के सामने यह राशि 68 हजार रुपये तक पहुंच गई।

प्रारंभिक जांच में पेमेंट गेटवे से जुड़ी खामी सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ छात्रों ने सिस्टम की तकनीकी कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश भी की। मामले की जांच के लिए आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों की टीम जुटी है। शिक्षा मंत्रालय भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

कांग्रेस में बड़े बदलाव की तैयारी, कई चेहरे बदलेंगे

प्रदेश अध्यक्षों पर मंथन तेज हुआ

चुनावी रणनीति के तहत होगा फेरबदल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। आगामी विधानसभा चुनावों और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने की रणनीति के तहत पार्टी कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों और प्रभारियों को बदलने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व जल्द ही इस संबंध में महत्वपूर्ण फैसले ले सकता है।

जानकारी के मुताबिक, पार्टी का विशेष ध्यान दक्षिण भारत के राज्यों पर है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में संगठन को अधिक सक्रिय और चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति पर विचार किया जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि नई जिम्मेदारियां और नया नेतृत्व संगठन को नई ऊर्जा दे सकता है।

दक्षिण भारत के अलावा दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में भी नेतृत्व परिवर्तन की संभावना जताई जा रही है। इन राज्यों में संगठनात्मक मजबूती और बेहतर राजनीतिक समन्वय के लिए बदलाव पर मंथन जारी है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सूत्रों का कहना है कि केवल प्रदेश अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक ढांचे में प्रभारियों के स्तर पर भी बदलाव किए जा सकते हैं। असम, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति पर विचार चल रहा है। पार्टी का मानना है कि राज्यों में बेहतर तालमेल और चुनावी तैयारियों को मजबूत करने के लिए समय-समय पर संगठनात्मक बदलाव जरूरी हैं।

कांग्रेस नेतृत्व पिछले कुछ समय से संगठन को बूथ और जिला स्तर तक मजबूत करने के प्रयासों में जुटा हुआ है। ऐसे में संभावित फेरबदल को उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अब राजनीतिक गलियारों की नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी नेतृत्व कब और किन नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपता है।

जज के घर बिजली गई, एक घंटे तक पूरा कस्बा अंधेरे में

चित्रकूट में बिजली कटौती पर मचा बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सतना जिले के चित्रकूट में बिजली आपूर्ति को लेकर हैरान करने वाला मामला सामने आया है।

आरोप है कि आंधी-तूफान के बाद व्यवस्था बहाली के दौरान एक न्यायिक अधिकारी के आवास की बिजली ठीक न होने पर पूरे क्षेत्र की सप्लाई बंद करा दी गई। इससे लगभग पांच हजार उपभोक्ता प्रभावित हुए और कस्बा करीब एक घंटे तक अंधेरे में डूब गया। घटना के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और सब स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन हुआ।

पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और सच्चाई सामने आने का इंतजार है।

16 केंद्रों पर कड़ी निगरानी में होगी पुलिस भर्ती परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस और समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। परीक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें सभी मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी और केंद्र व्यवस्थापक मौजूद रहे। पुलिस भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून को जिले के 16 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी।

परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट और साइबर कैफे रहेंगे बंद: डीएम

परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 6,240 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, बिजली और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। परीक्षा शुरू होने से पहले सभी अधिकारी केंद्रों का निरीक्षण करें और पूरे समय निगरानी रखें। डीएम ने कहा कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष नजर रखी जाए, पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। परीक्षा केंद्रों के आसपास भीड़ जमा न होने दी जाए और प्रवेश व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित रखी जाए। नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास की सभी फोटोस्टेट और साइबर कैफे की दुकानें बंद रहेंगी। डीएम ने अधिकारियों से समय पर केंद्रों पर पहुंचकर सभी व्यवस्थाएं तय करने को कहा। बैठक में एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह सहित कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

छाता सरकारी अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम

छाता स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित जागरुकता अभियान में भाग लेते लोग।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में ओम शांति संगठन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवादारों ने स्थानीय चिकित्सा स्टाफ के साथ मिलकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान अस्पताल में आए मरीजों और उनके तीमारदारों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया।

ओम शांति संगठन के सदस्यों ने अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों को तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और गुटखे से होने वाले जानलेवा रोगों जैसे कैंसर और हृदय रोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एक विशेष अभियान चलाकर दर्जनों लोगों से नशा मुक्ति संकल्प फॉर्म भरवाए गए। फॉर्म भरने वाले लोगों ने जीवन में कभी भी तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न करने और अपने परिवार को भी इससे दूर रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

दर्जनों लोगों ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प

चिकित्सालय के प्रभारी और डॉक्टरों ने ओम शांति संगठन के इस प्रयास की सराहना की। कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़ देता है। इस अवसर पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. देवेंद्र चौधरी, ताराचंद शर्मा और मुकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

अबेकस ओलंपियाड में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

अबेकस ओलंपियाड प्रतियोगिता में रतनलाल फूलकटोरी की छात्रा और प्रधानाचार्य डा.नीता सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। रतन लाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने ओरिजिनल अबेकस ओलंपियाड विंटर्स–2026 के नॉक–आउट फाइनल्स में बेहतर प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं ने इसी वर्ष 2 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित अबेकस ओलंपियाड में शत–प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, जिसके बाद उनका चयन नॉक–आउट राउंड के लिए हुआ। छात्राओं ने नॉक–आउट राउंड के पहले चरण को सफलतापूर्वक पार करते हुए फाइनल्स में प्रवेश किया और विभिन्न स्तरों की प्रतियोगिताओं में ट्रॉफियां जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। लेवल–4 श्रेणी में तनु उपाध्याय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और चैंपियन ऑफ चैंपियंस बनने का गौरव हासिल किया। वहीं लेवल–5 श्रेणी में प्रियांशी शर्मा ने नई दिल्ली के प्रतिभागी प्रत्यूष के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। लेवल–4 में संगम शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि लेवल–3 श्रेणी में हर्षिता और काव्या ने तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह, स्किल डेवलपमेंट डायरेक्टर मीनल अग्रवाल और स्किल डेवलपमेंट इंचार्ज श्वेता खंडेलवाल ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

57 लाख रुपये के चोरी हुए जेवरों के साथ दो चोर गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में चोरी के आरोपित।

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर पुलिस और सर्विलांस टीम ने चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए करीब 57 लाख रुपये मूल्य के सोने–चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बिजऊ निवासी वीरसैन और कुलदीप उर्फ भोला को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से लगभग 350 ग्राम सोने और 2.300 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को यमुना एक्सप्रेस-वे के पास नगला बरी पुलिया क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अमित कुमार तोमर, उपनिरीक्षक विनीत दांगी, सर्विलांस सेल प्रभारी विकास और थाना सुरीर और सर्विलांस टीम के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

224 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एक युवक को 224 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 29 मई की देर रात थाना पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान खडेरा गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर रजबहा की पटरी के पास संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 224 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

अभियुक्त की पहचान मुकेश पुत्र बाबूलाल निवासी होली वाला मोहल्ला, कस्बा बल्देव के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक विपिन कुमार और उपनिरीक्षक सज्जन पाल सिंह शामिल रहे।

यमुना में युवक ने लगाई छलांग, मौत

यूनिक समय, वृंदावन। थाना जमुना पार क्षेत्र के पानीगांव के निकट एक युवक ने यमुना में छलांग लगाकर मौत को गले लगा लिया। इसके पीछे घरेलू वजह बताई जा रही है। पानीगांव निवासी प्रवीण (18) हरी प्रसाद गृह क्लेश के कारण वह काफी तनाव में था। इसी तनाव के कारण उसने यमुना में छलांग लगा दी। छलांग लगाने की खबर के बाद परिजन चिंतित हो उठे। वह तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। गोताखोरों ने यमुना में कूदकर उसके शव को बरामद कर लिया।

भारतीय वैश्य महासभा का गुजरात प्रदेश सम्मेलन नौ जून को

यूनिक समय, आगरा। भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल की अगुवाई में गुजरात प्रदेश कार्यकारिणी बैठक और प्रदेश सम्मेलन नौ जून को प्रातः 10 बजे से गायत्री सिद्ध पीठ, रत्नेश्वर रोड, द्वारिका, गुजरात में होगा।कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय महासचिव सत्य प्रवीर गुप्ता, आयोजक गुजरात इकाई के संरक्षक राम नरेश गुप्ता, अहमदाबाद प्रभारी सुधीर गुप्ता है। बैठक में गुजरात प्रदेश में संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय बनाने, सदस्यता विस्तार, संगठनात्मक गतिविधियों और वैश्य समाज से संबंधित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार–विमर्श किया जाएगा। यह जानकारी राष्ट्रीय प्रधान महासचिव डॉ. संजीव कुमार वार्ष्णेय बंटी बाबू ने दी।

भक्तों को वितरित किए शीतल पेय पदार्थ

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट ने पुरुषोत्तम मास के दौरान प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में प्रभु–भक्त सेवासत्र में भक्तजनों की सेवार्थ शीतल पेय पदार्थ वितरित किए। इसमें विजय कुमार गर्ग और अनिल तायल का योगदान रहा।सेवासत्र के अंतर्गत आज ऑस्ट्रेलिया निवासी सुमेश भटनागर, श्वेता भटनागर की ओर से भक्त सेवार्थ शीतल जल व पेय पदार्थों का वितरण किया गया। कल मुंबई निवासी गणेश प्रसाद काबरा और कृष्णा काबरा की ओर से शीतल जल सहित पेय पदार्थ वितरित किए जाएंगे।

पौटून पुल दोबारा तैयार, आवागमन चालू

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन–मांट के मध्य फिर पौंटून पुल बनकर तैयार हो गया। इस पर अब आवागमन शुरु हो गया है। गौरतलब है कि करीब डेढ माह पहले यह किसी कारणवंश हटा दिया गया था। उसी दौरान एक बड़ा हादसा हो गया था। इसमें 16 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। अब एक कंपनी ने पौंटून पुल को दोबारा तैयार कर आवागमन शुरु करा दिया। इस पौंटून पुल से वृंदावन से मांट की दूरी कम हो जाती है और आसपास के ग्रामों के लोगों को भी सहूलियत मिलती है।

प्रेरणा और संस्कार का सशक्त साधन है प्रदर्शनी

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गोशाला में शनिवार को ब्रज प्रांत के प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कहा कि प्रदर्शनी केवल जानकारी का माध्यम नहीं, बल्कि प्रेरणा और संस्कार का सशक्त साधन है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग में शिक्षार्थियों के लिए आयोजित विविध विषयक प्रदर्शनी के उद्घाटन मौके पर उन्होंने शिक्षार्थियों से प्रदर्शनी का गंभीरता से अवलोकन कर राष्ट्र और समाज जीवन के प्रति अपने दायित्वों को समझने का आह्वान किया।

तेजोमय प्रतिबिंब तुम्हारे शीर्षक प्रदर्शनी में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा राष्ट्र जीवन के पुनर्निर्माण के लिए खड़े किए गए प्रचारकों के जीवन–वृत्त, उनके योगदान को प्रदर्शित किया गया है।

गो ग्राम में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र।

द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी के मार्गदर्शन में निकले प्रचारकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्रकार्य को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सिखों के नवम गुरु गुरु तेग बहादुर की 350वीं बलिदान जयंती के उपलक्ष्य में उनके अद्वितीय त्याग, धर्मरक्षा और मानवता के लिए किए गए बलिदान का प्रेरणादाई चित्रण किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से समाज–राष्ट्र के प्रति प्रत्येक नागरिक के उत्तरदायित्वों का संदेश दिया गया।

गो विज्ञान– अनुसंधान केंद्र में संघ के शताब्दी वर्ष पर के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा जारी डाक टिकट और शताब्दी वर्ष का सिक्का प्रदर्शित किया गया।

गो ग्राम परखम में संघ शिक्षा वर्ग प्रदर्शनी का उद्घाटन

विजयदशमी उत्सव हिंदू सम्मेलन, बालकुंभ की झलक

ब्रज प्रांत में आयोजित विजयदशमी उत्सव, हिंदू सम्मेलन, गृह संपर्क अभियान, प्रमुख जन गोष्ठियों और बालकुंभ जैसे विविध कार्यक्रमों का भी आकर्षक प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनी के मौके पर प्रांत प्रचार प्रमुख प्रीतम, प्रांत शारीरिक शिक्षण प्रमुख महावीर, प्रदर्शनी प्रमुख सुशील, सह वर्ग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मथुरा में कल लगेगा निःशुल्क मेगा सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर

यूनिक समय, मथुरा। अग्रवाल न्यूरो हेल्थकेयर एवं अग्रवाल लंग एंड एलर्जी हेल्थकेयर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार प्रातः 10 बजे से सायं चार बजे तक निःशुल्क मेगा सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अग्रवाल न्यूरो हेल्थकेयर कृष्णा नगर में होगा। शिविर में दिल्ली के प्रतिष्ठित गंगाराम हॉस्पिटल और अग्रवाल हेल्थकेयर के विशेषज्ञ चिकित्सक, नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. तरुण कुमार, हेमेटोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. नमन बंसल, पल्मोनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. गुंजन अग्रवाल, न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. प्रिंस अग्रवाल द्वारा मरीजों की जांच कर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा। इसके अलावा मरीजों के लिए आरबीएस,विटामिन–डी, पीएफटी,न्यूरोपैथी टेस्ट तथा बीएमडी जैसी महत्वपूर्ण जांचें रियायती दरों पर कराई जाएंगी। न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ डा.प्रिंस अग्रवाल ने बताया कि शिविर में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए निःशुल्क चेस्ट एक्स–रे की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर में भाग लेने के इच्छुक मरीज पूर्व नियुक्ति एवं पंजीकरण के लिए 8630320857 पर संपर्क कर सकते हैं।